epaper.dehatsandesh.com

3 संपति का वैध स्रोत नहीं बताने पर नशा एवं गोवंश तस्करी से जुड़े लोगों पर बड़ी कार्रवाई

5 हैमस्ट्रिंग सर्जरी के बाद पुनर्वास पर गए बायोनिक मैन बेन स्टोक्स

8 सूरजमुखी के बीज की खेती की जानकारी

मौसम जम्मू न्यूनतम 6 अधिकतम 17

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-08 | जम्मू तवी, वीरवार 09 जनवरी, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

कटड़ा से बनिहाल तक सफल राइजिंग ग्रेड स्पीड ट्रायल कर रेलवे के इतिहास में लिखा नया अध्याय

कटरा, 8 जनवरी। भारतीय रेलवे के इतिहास में एक नया अध्याय लिखा गया है जब जम्मू-कश्मीर के कटरा से बनिहाल तक यूएसबीआरएल परियोजना के तहत चुनौतीपूर्ण भूगोल में सफल राइजिंग ग्रेड स्पीड ट्रायल हुआ। उत्तरी सर्किल के रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस) दिनेश चंद देशवाल ने कहा कि यह कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों के बीच सीधी रेल सेवाओं की जल्द शुरुआत के लिए सकारात्मक संकेत देती है। हालांकि उन्होंने कहा कि वह दो दिवसीय वैधानिक निरीक्षण पूरा होने के बाद एकत्र किए गए आंकड़ों का विशलेषण करेंगे और उसके बाद ही केंद्र बहुप्रतीक्षित सेवा शुरू करने का फैसला ले सकता है।

कटरा स्टेशन से सफल हाई-स्पीड ट्रायल रन के बाद बनिहाल पहुंचने पर पत्रकारों से बात करते हुए देशवाल ने कहा कि उनकी टीम कटरा लौटेगी और कश्मीर के लिए सीधी ट्रेन सेवा शुरू करने पर निर्णय लेने से पहले सभी एकत्र किए गए आंकड़ों का विश्लेषण किया जाएगा। सीआरएस ने कहा कि कटरा से बनिहाल तक चुनौतीपूर्ण भौगोलिक क्षेत्र में 180 डिग्री की चढ़ाई पर 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रायल रन ने रेलवे के इतिहास में एक नया अध्याय लिखा है। ट्रायल रन सुचारू रहा और इसने हमें संतुष्टि की भावना से भर दिया और इसका श्रेय हमारे इंजीनियरों को जाता है जिन्होंने इतना बढ़िया काम किया है। ट्रायल ट्रेन सुबह 10:30 बजे कटरा स्टेशन से रवाना हुई और डेढ़ घंटे में बनिहाल स्टेशन पहुंच गई। ट्रेन दोपहर 2 बजे अपनी वापसी यात्रा पर कटरा के लिए रवाना हुई और इसके दोपहर 3:30 बजे तक अपने गंतव्य पर पहुंचने की उम्मीद है। यह ट्रेक पर अंतिम स्पीड ट्रायल रन है।

नवनिर्मित रेलवे लाइन के दो दिवसीय वैधानिक निरीक्षण पर कटरा पहुंचे देशवाल ने कहा कि कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों के बीच सेवाओं की शुरुआत पर अंतिम फैसला केंद्र करेगा। उन्होंने कहा कि मैं इसके (सेवाओं की शुरुआत) बारे में बात करने की स्थिति में नहीं हूं। उन्होंने कहा कि वैधानिक निरीक्षण आज शाम तक पूरा हो जाएगा और एकत्र किए गए सभी आंकड़ों का उत्तर रेलवे के दिशा-निर्देशों के अनुसार विश्लेषण किया जाएगा। सीआरएस ने कहा कि अब तक निरीक्षण और ट्रेक पर ट्रायल रन संतोषजनक रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा बुनियादी ढांचा उत्कृष्ट है और बहुत जल्द हमारी रिपोर्ट के आधार पर उचित निर्णय लिया जाएगा।

पिछले महीने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रियासी-कटरा खंड के पूरा होने की घोषणा की जो लगभग तीन दशकों के काम के बाद कश्मीर को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण विकास है। 4 जनवरी को कटरा-बनिहाल सेक्शन पर इलेक्ट्रिक ट्रेन का सफल ट्रायल रन किया गया था। रेलवे ने पिछले महीने ट्रैक के विभिन्न खंडों पर छह ट्रायल रन किए हैं, जिनमें अंजी खड्ड और चिनाब पुल के दो प्रमुख मील के पत्थर शामिल हैं। कुल 272 किलोमीटर लंबी उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) परियोजना में से 209 किलोमीटर को चरणों में चालू किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि कश्मीर को रेल मार्ग से जोड़ने की परियोजना 1997 में शुरू हुई थी और भूवैज्ञानिक, स्थलाकृतिक तथा मौसम संबंधी चुनौतियों के कारण इसकी समय-सीमा कई बार बढ़ाई गई।

मुख्य सचिव ने प्रशासनिक प्रमुखों के समक्ष कर्मचारियों के मुद्दों को उठाया

श्रीनगर 08 जनवरी। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने सभी प्रशासनिक सचिवों की बैठक बुलाई, जिसमें यूटी सरकार के लिए काम करने वाले कर्मचारियों के पक्ष में की गई पदोन्नति और अनुकंपा नियुक्तियों का जायजा लिया गया।

इस बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने राजपत्रित और अराजपत्रित दोनों पदों के लिए प्रशासनिक और विभागाध्यक्ष स्तर पर विभागों द्वारा आयोजित विभागीय पदोन्नति समिति की बैठकों का संज्ञान लिया।

उन्होंने विभागों से नियमित रूप से डीपीसी आयोजित करने पर जोर दिया, ताकि यहां काम करने वाले कर्मचारी भी अपने अधीन काम करने वाले अधिकारियों की तरह ही करियर में प्रगति के हकदार हों। उन्होंने ओपीजी मोड में उच्च ग्रेड पर रखे गए कर्मचारियों और नियमित आधार पर उनकी पदोन्नति के बारे में पूछा। उन्होंने एआरआई और प्रशिक्षण विभाग से यहां वर्तमान में अद्यतन किए जा रहे विभिन्न विभागों के भर्ती नियमों को अंतिम रूप देने पर भी जोर दिया। इस अद्यतनीकरण को समयबद्ध बनाने का आग्रह किया ताकि इन विभागों में भर्ती और पदोन्नति की प्रक्रिया शुरू हो सके। अटल डुल्लू ने कहा कि कुछ विभाग एडहॉक पदोन्नति से ग्रस्त हैं जिन्हें ठीक करने की आवश्यकता है। उन्होंने इस मुद्दे को हमेशा के लिए सुलझाने के लिए जीएडी और वित्त के अधिकारियों सहित वरिष्ठ अधिकारियों की एक समिति गठित करने का निर्देश दिया।

उन्होंने उन्हें शिक्षा विभाग में भर्ती के लिए गैर-राजपत्रित रिक्तियों की पहचान करने से संबंधित मामले की जांच करने की सलाह दी, क्योंकि इनका उपयोग यहां आरईटी शिक्षकों के नियमितीकरण के लिए किया गया था। एसआरओ-43 और नव-नामांकित पुनर्वास सहायता योजना के तहत मृतक कर्मचारियों के परिजनों के पक्ष में अनुकंपा नियुक्ति के बारे में मुख्य सचिव ने प्रक्रिया में और तेजी लाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे आवेदकों के पक्ष में मंजूरी और आदेश जारी करने के लिए मामलों को नामित समितियों के समक्ष रखें। उन्होंने उन्हें एसआरओ-43 के तहत शेष पात्र उम्मीदवारों की नियुक्ति जल्द से जल्द पूरी करने का भी निर्देश दिया, क्योंकि इनकी संख्या अभी बहुत कम है। बैठक में आयुक्त सचिव, जीएडी, एम. राजू ने प्रासंगिक विवरण प्रदान करते हुए बताया कि आरएएस के लगभग 1151 मामले लंबित हैं, जिनमें से 2022 और 2023 में प्राप्त 507 मामलों को उनकी नियुक्ति के लिए विभागों को भेज दिया गया है। उन्होंने आगे बताया कि विभिन्न विभागों में केवल 175 एसआरओ-43 मामले लंबित हैं, जिनमें से अधिकांश एक या दो महीने में निपटाए जाने वाले हैं। विभिन्न विभागों द्वारा की गई पदोन्नति के बारे में बैठक में बताया गया कि वर्ष 2024 में विभागाध्यक्ष स्तर पर 76 डीपीसी आयोजित की गई थी, इसके अलावा राजपत्रित रिक्तियों को भरने के लिए प्रशासनिक/पीएससी स्तर पर 14 डीपीसी आयोजित की गई थी। इसके अलावा बैठक में बताया गया कि ओपीजी में 929 अराजपत्रित और 231 राजपत्रित कर्मचारियों को उचित स्तर पर डीपीसी आयोजित करके नियमितीकरण की मांग करते हुए उच्च पदों पर रखा गया था। यह भी बताया गया कि यूटी के विभिन्न सरकारी विभागों में पदोन्नति कोटे के तहत वर्तमान में 4825 अराजपत्रित और 272 राजपत्रित रिक्तियां उपलब्ध हैं।

पांच आरोपी गिरफ्तार, 2 लाख रुपये की चोरी की वस्तुएं बरामद

सांबा, 08 जनवरी। सांबा पुलिस ने पुलिस स्टेशन सांबा में दर्ज चोरी के एक मामले को सुलझाया है और पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से लगभग दो लाख रुपये की चोरी की वस्तुएं बरामद की हैं। 02-01-2025 को, जिला न्यायालय सांबा में कार्यरत राकेश कुमार पुत्र बिशन दास निवासी देओन तहसील बारी ब्राह्मणा द्वारा पुलिस स्टेशन सांबा में न्यायिक क्वार्टर, जिला न्यायालय परिसर सांबा से पानी के नल और बिजली के तारों सहित वस्तुओं की चोरी के संबंध में एक लिखित शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस स्टेशन सांबा में एफआईआर नंबर 02/2025 यू/एस 331(4)/305 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। जांच के दौरान एसएचओ पीएस सांबा के नेतृत्व में एक पुलिस टीम ने अथक प्रयासों के बाद पांच आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की जिन्होंने लगातार पूछताछ करने पर तत्काल मामले में अपनी संलिप्तता कबूल की। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान सुनील कुमार पुत्र हरि कुमार निवासी मुराधवाड (यूपी) वर्तमान में शिव नगर विजयपुर, गणेश कुमार पुत्र जनक राज निवासी विजयपुर, मोहम्मद मकबूल पुत्र मोहम्मद इब्राहिम दास निवासी बांदीपुरा, करण लाल पुत्र मोहन लाल निवासी शिव नगर विजयपुर और विश्वजीत दास पुत्र गुरदास निवासी गली हुकम गेट अमृतसर के रूप में हुई है।

पुलिस की साइबर अपराध जांच इकाई ने धोखाधड़ी से प्राप्त 95000.00 की राशि वापस की'

सांबा, 08 जनवरी । सांबा पुलिस की साइबर अपराध जांच इकाई सीसीआईयू ने शिकायतकर्ताओं द्वारा रिपोर्ट की गई दो अलग-अलग ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी में पचानवे हजार रुपये (95000.00 रुपये) की धोखाधड़ी की राशि वापस कर दी है। शिकायतकर्ता राजेश कुमार पुत्र रोशन लाल निवासी सदोह अबताल जिला सांबा और अनिल कुमार पुत्र गौरी शंकर निवासी कुरेना (उत्तर प्रदेश) मौजूदा समय में बाडी ब्राह्मणा जिला सांबा ने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई थी जिसमें जालसाजों ने उनसे क्रमशः 25000.00 रुपये और 70000.00 रुपये की ठगी की थी। डीएसपी मुख्यालय की देखरेख में इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारी के नेतृत्व में साइबर अपराध जांच इकाई की एक टीम ने उन्नत तकनीकी कौशल का प्रदर्शन किया जिसके परिणामस्वरूप शिकायतकर्ताओं को धोखाधड़ी से प्राप्त 95000.00 रुपये की पूरी राशि वापस कर दी गई। एसएसपी सांबा ने आम जनता से अपील की है कि वे सतर्क रहें, अपनी ऑनलाइन/ऑफलाइन जानकारी किसी के साथ साझा न करें, अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें और किसी भी संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि की तुरंत राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर रिपोर्ट करें

प्रधानमंत्री मोदी 13 जनवरी को श्रीनगर-सोनमर्ग मार्ग पर जेड मोड़ सुरंग का करेंगे उद्घाटन

श्रीनगर, 08 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13 जनवरी को जम्मू-कश्मीर के दौरे पर रहेंगे। वह श्रीनगर-सोनमर्ग मार्ग पर जेड मोड़ सुरंग का उद्घाटन करेंगे, ताकि सोनमर्ग को सभी मौसमों में पर्यटन स्थल बनाया जा सके।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जेड मोड़ सुरंग गगनगीर से सोनमर्ग तक सड़क को बाईपास करेगी, जिससे आगंतुक और स्थानीय लोग पूरे साल हिल स्टेशन का दौरा कर सकेंगे। वर्तमान में सड़क का गगनगीर-सोनमर्ग खंड भारी बर्फबारी और हिमस्खलन के कारण अवरुद्ध हो जाता है। जेड मोड़ सुरंग जम्मू और कश्मीर के गांदरबल जिले में गगनगीर और सोनमर्ग के बीच 6.5 किलोमीटर लंबी 2-लेन वाली सड़क सुरंग है। इसका नाम सड़क के जेड आकार के खंड के नाम पर रखा गया है, जिसे सुरंग में बदल दिया है।

निकटवर्ती ज़ोजी-ला सुरंग के साथ श्रीनगर-लेह राजमार्ग पर यह भू-रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सुरंग बालटाल (अमरनाथ गुफा), कारगिल और लद्दाख क्षेत्र के अन्य स्थानों को साल भर मौसम-प्रूफ़ संपर्क प्रदान करेगी। सोनमर्ग को हर मौसम में संपर्क प्रदान करने के अलावा सुरंग स्थानीय युवाओं को रोजगार में मदद करेगी और क्षेत्र में पर्यटन और संबद्ध गतिविधियों को बढ़ावा देगी। यह 31 सड़क सुरंगों में से एक है, जिनमें से 20 जम्मू और कश्मीर में और 11 लद्दाख में हैं। सुरंग का निर्माण 2018 में शुरू हुआ था। 20 अक्टूबर, 2024 को सुरंग के कर्मचारी आतंकी हमले की चपेट में आ गए थे, जब दो आतंकवादी गगनगीर में श्रमिकों के शिविर में आ घुसे थे। जेड मोड़ सुरंग का निर्माण कर रही इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी के छह गैर-स्थानीय श्रमिकों सहित सात नागरिक मारे गए थे। हमले में एक स्थानीय डॉक्टर की भी मौत हो गई थी।--

सामान्य सर्दी जुकाम है एचएमपीवी: संयुक्त राष्ट्र

नयी दिल्ली 08 जनवरी। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि मानव मेटान्यूमो-वायरस (एचएमपीवी) सामान्य सर्दी जुकाम है जो शिशिर और बसंत ऋतु में होता है।

संयुक्त राष्ट्र ने बुधवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा है कि एचएमपीवी नया वायरस नहीं है। इसे सर्वप्रथम वर्ष 2001 में पहचाना गया और यह लंबे समय से मानव समाज में है।

पोस्ट में कहा गया है, यह सामान्य वायरस है जो शिशिर और बसंत ऋतु में फैलता है। यह सामान्य सर्दी जुकाम की तरह श्वसन तंत्र को प्रभावित करता है।

पोस्ट के साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन - डब्ल्यूएमओ की वरिष्ठ अधिकारी मार्ग्रेट हैरिस का एक बयान भी है जिसमें कहा गया है कि इस वर्ष चीन में इससे प्रभावित लोगों की संख्या पिछले वर्ष से कम है।

जम्मू श्रीनगर को जोड़ने वाली रेल परियोजना पूरी: वैष्णव

नयी दिल्ली 08 जनवरी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज घोषणा की कि जम्मू और श्रीनगर को रेललिंक से जोड़ने वाली परियोजना पूरी हो गयी है और रेल संरक्षा आयुक्त का प्रमाणपत्र मिलने के बाद शीघ्र ही जम्मू कश्मीर की शीतकालीन एवं ग्रीष्मकालीन राजधानियों के बीच ट्रेन सेवा शुरू हो जाएगी।

श्री वैष्णव ने आज यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, आज का दिन ऐतहासिक है। जम्मू कश्मीर में श्रीनगर एवं जम्मू को रेललिंक से जोड़ने वाली परियोजना पूरी हो गयी है। अंतिम वैधानिक परीक्षण आज पूरा हो गया है। जम्मू कश्मीर के निवासियों के लिए एक बहुत अच्छी परिवहन व्यवस्था बन कर तैयार है। रेल संरक्षा आयुक्त का प्रमाणपत्र मिलने के बाद दोनों शहरों के बीच ट्रेन सेवा शुरू हो जाएगी। श्री वैष्णव ने कहा कि फिलहाल श्रीनगर से श्रीमाता वैष्णोदेवी कटरा के बीच विशेष रूप से पर्वतीय जलवायु के हिसाब से विकसित वंदे भारत एक्सप्रेस चलायी जाएगी जिसे अगस्त में जम्मू स्टेशन के विकास के बाद जम्मू तक शुरू किया जाएगा।

भारत के वैश्विक स्तर पर उभरने में प्रवासियों की महत्वपूर्ण भूमिका- विदेश मंत्री

नई दिल्ली, 08 जनवरी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को प्रवासी भारतीयों की विशेष भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि भारत एक प्रमुख शक्ति के तौर पर उभरने, वैश्वीकरण तथा अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में अपने उत्थान के लिए अपने प्रवासियों का प्रयोग करता रहा है, कर रहा है तथा करता रहेगा। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने 18वें प्रवासी भारतीय दिवस के अवसर पर ओडिशा सरकार के साथ संयुक्त व्यापार सत्र में भाग लिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री अक्सर विदेश नीति के मूल्यांकन के लिए 3टी की बात करते हैं। विदेश मंत्रालय अपने लोगों के मूल्यांकन के लिए 3टी व्यापार, प्रौद्योगिकी और पर्यटन का उपयोग करता है। वहीं ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में युवा प्रवासी भारतीय दिवस के 18वें संस्करण के उद्घाटन समारोह में जयशंकर ने कहा कि आज युवा भारतीय कई क्षेत्रों में सफल हो रहे हैं

जावेद राणा ने जम्मू-कश्मीर में आदिवासी छात्रावासों के कामकाज का आकलन किया

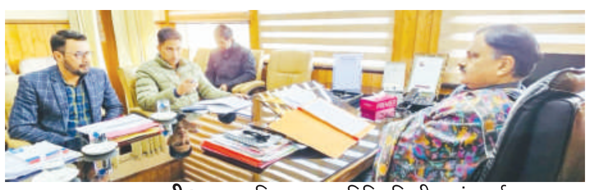

जम्मू 08 जनवरी। जल शक्ति, वन पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण तथा जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने जम्मू-कश्मीर में आदिवासी छात्रावासों के कामकाज की समीक्षा के लिए नागरिक सचिवालय में एक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में जनजातीय मामलों के सचिव प्रसन्ना रामास्वामी जी, जनजातीय मामलों के निदेशक गुलाम रसूल और अन्य अधिकारी शामिल हुए।

मंत्री ने छात्रावासों के कामकाज का विस्तृत आकलन किया, जिसमें स्टाफ की संख्या, स्वच्छता में सुधार, भोजन की सुविधा, डिजिटल कक्षाएं, पुस्तकालय और छात्रावास में रहने वालों के लिए शैक्षणिक और व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देने के लिए मनोरंजन स्थलों पर जोर दिया गया।

मंत्री ने कहा कि सरकार ने आदिवासियों के उत्थान के लिए विभिन्न योजनाएं शुरू की हैं, जिनमें आदिवासी क्षेत्रों में सामाजिक बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका में महत्वपूर्ण अंतरालों को भरने की परिकल्पना की गई है।

उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है, ताकि लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। मंत्री ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि वे जिलों में चल रहे निर्माण कार्यों का मामला संबंधित उपायुक्तों के समक्ष उठाएं, ताकि सभी परियोजनाएं निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरी हो सकें। जावेद राणा ने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और आजीविका के अवसरों पर ध्यान केंद्रित करते हुए सभी आदिवासी गांवों में धरती आबा मिशन के विस्तार की भी समीक्षा की। उन्होंने आदिवासी लोगों के कल्याण के लिए क्रियान्वित की जा रही योजना के क्रियान्वयन का प्रत्यक्ष मूल्यांकन किया और लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए योजना से संबंधित विभिन्न पहलुओं और इसके सफल क्रियान्वयन के लिए अन्य तौर-तरीकों पर चर्चा की। जनजातीय मामलों के सचिव ने जम्मू-कश्मीर में जनजातीय छात्रावासों के कामकाज के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी।

जम्मू स्थित डोगरी संस्था ने 2025 के लिए डोगरी कैलेंडर जारी किया

जम्मू, 8 जनवरी । डोगरी संस्था, जम्मू ने डोगरी भवन, कर्ण नगर, जम्मू में आयोजित एक साधारण लेकिन प्रभावशाली समारोह में 2025 के लिए डोगरी कैलेंडर जारी किया। इस वर्ष के कैलेंडर में कुंवर वियोगी, पंडित केदार नाथ शास्त्री, रोमाल सिंह भड़वाल, जितेंद्र शर्मा, शिव राम दीप और संतोष खजूरिया जैसे डोगरी भाषा के प्रतिष्ठित साहित्यकारों की प्रभावशाली तस्वीरें हैं। इस अवसर पर बोलते हुए डोगरी संस्था के प्रधान प्रो. ललित मगोत्रा ने कहा कि संस्था पिछले चार वर्षों से डोगरी कैलेंडर प्रकाशित कर रही है और यह पांचवीं बार है जब नववर्ष कैलेंडर प्रकाशित किया जा रहा है। इसके पीछे उद्देश्य न केवल हमारे दिवंगत साहित्यकारों को श्रद्धांजलि देना है, जिन्होंने विभिन्न विधाओं में महान योगदान देकर मातृभाषा को समृद्ध बनाने में बहुत योगदान दिया है, बल्कि इस प्राचीन पुराने माध्यम के माध्यम से हमारी मातृभाषा डोगरी को बढ़ावा देना भी है। उन्होंने आगे कहा कि डोगरी कैलेंडर की खास बात यह है कि इसमें डुग्गर प्रदेश के त्योहारों की विशेष जानकारी होती है और यह डोगरों को अपनी परंपराओं से जुड़े रहने में मदद करता है। इस अवसर पर उन्होंने कैलेंडर प्रकाशित करवाने में पूरे दिल से योगदान देने वाले सभी लोगों का आभार जताया और उम्मीद जताई कि भविष्य में भी इसी तरह की गर्मजोशी भरा सहयोग जारी रहेगा। डोगरी संस्था जम्मू के महामंत्री राजेश्वर सिंह राजू ने कैलेंडर प्रकाशित करने को एक सतत प्रक्रिया के रूप में अपने विचार साझा करते हुए कहा कि इस तरह के रचनात्मक प्रयास अपनी मातृभाषा को बढ़ावा देने के मूल मुद्दों को संबोधित करने में भी मदद करते हैं।

उपायुक्त जम्मू द्वारा टीबी उन्मूलन अभियान की प्रगति की समीक्षा

जम्मू 08 जनवरी। उपायुक्त सचिन कुमार वैश्य के साथ बैठक में राज्य क्षय रोग अधिकारी डॉ. ज्योति जॉली ने महत्वाकांक्षी 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान के तहत उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी।

7 दिसंबर को शुरू किए गए इस अभियान का उद्देश्य टीबी के मामलों की पहचान में सुधार, निदान में देरी को कम करना और विशेष रूप से कमजोर आबादी के लिए उपचार के परिणामों को बढ़ाकर टीबी के खिलाफ लड़ाई को तेज करना है। 33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 347 जिलों में फैला यह अभियान टीबी को खत्म करने और टीबी मुक्त राष्ट्र बनाने की भारत की रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

डॉ. ज्योति ने उपायुक्त को कमजोर आयु समूहों, निक्षय शिविरों के आयोजन की योजनाओं और संभावित टीबी मामलों का पता लगाने और उपचार के लिए आम आबादी पर किए जाने वाले अन्य परीक्षणों के बारे में जानकारी दी।

उपायुक्त ने अभियान की सफलता के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की और समर्थन का आष्वासन दिया और उम्मीद जताई कि जिला इस नई पहल में अच्छा प्रदर्शन करेगा।

बैठक में सीएमओ डॉ. हरबख्श सिंह, डीटीओ डॉ. अनु सलोच, डब्ल्यूएचओ कंसल्टेंट एनटीईपी डॉ. शिलेंद्र तोमर के अलावा अन्य सम्बंधित अधिकारी भी उपस्थित थे।

पुलिस ने ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ किया 8 किलोग्राम हेरोइन जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

श्रीनगर, 8 जनवरी। ड्रग तस्करी पर एक महत्वपूर्ण कार्रवाई में श्रीनगर पुलिस ने सफलतापूर्वक एक बड़ी खेप को पकड़ा है जिसमें दो ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है और उनसे 8 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है।

पुलिस चौकी कमरवारी की एक पुलिस टीम ने बरथाना क्रॉसिंग पर एक नियमित जांच के दौरान एक वाहन टाटा सूमो, पंजीकरण संख्या जेके05डी-1837 को रोका जिसमें दो व्यक्ति सवार थे। वाहन की गहन तलाशी लेने पर चालक की सीट के नीचे 6 किलोग्राम हेरोइन छिपी हुई मिली जबकि इसके अलावा व्यक्तिगत तलाशी के दौरान संदिग्धों से 2 किलोग्राम मादक पदार्थ बरामद किया गया जिनमें से प्रत्येक ने पॉलीथीन बैग में 1 किलोग्राम मादक पदार्थ छिपा रखा था।

गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान अनस एजाज अवान पुत्र एजाज अहमद अवान निवासी दिलदार टंगडार कुपवाड़ा व जाहिद अहमद शेख पुत्र नजीर अहमद शेख निवासी चन्नीपोरा टंगडार, कुपवाड़ा के रूप में हुई है। साक्ष्य के तौर पर मादक पदार्थ और अपराध में इस्तेमाल वाहन को जब्त कर लिया गया है।

पुलिस स्टेशन परिमपोरा में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/21 और 29 के तहत एफआईआर संख्या 03/2025 के तहत मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि बरामद मादक पदार्थ सीमा पार मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क के तहत पाकिस्तान से तस्करी कर लाए गए थे।

जम्मू-कश्मीर पुलिस इस सिंडिकेट को खत्म करने और इस अवैध व्यापार में शामिल सभी व्यक्तियों की पहचान करने के लिए सक्रिय रूप से आगे और पीछे दोनों लिंकेज का पीछा कर रही है।

शरीर में उत्पन्न होने वाली कई नई-पुरानी व्याधियों को दूर करने के लिए जापान की सकनीरा एसोसिएशन द्वारा पानी के प्रयोग का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। पानी के द्वारा रोगों को दूर करने की यह सादी-सरल विधि है। भारत जैसे गरीब देश के लिए तो यह विधि बिना पैसा खर्च की चमत्कारी पद्धति सिद्ध हो सकती है।

सेहत का राज
बस 4 ग्लास पानी एक साथ

सिरदर्द, उच्च रक्तचाप, खून की कमी, मोटापा, बेहोशी, दमा, खांसी, लीवर की कमजोरी, पेशाब की बीमारी, गैस, कब्ज, एसीडिटी, कमजोरी, आंख की बीमारी, मानसिक रोग, महिलाओं को होने वाली बीमारियां एवं शरीर में उत्पन्न होने वाली कई नई-पुरानी व्याधियों को दूर करने के लिए जापान की सकनीरा एसोसिएशन द्वारा पानी के प्रयोग का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। पानी के द्वारा रोगों को दूर करने की यह सादी-सरल विधि है। भारत जैसे गरीब देश के लिए तो यह विधि बिना पैसा खर्च की चमत्कारी पद्धति सिद्ध हो सकती है। कमी है तो बस इसके जनसाधारण के बीच प्रसार की।

पानी प्रयोग की विधि क्या है

सुबह उठकर बिस्तर में बैठ जाएं और चार बड़े ग्लास भरकर (लगभग एक लीटर) पानी एक ही समय एक साथ पी जाएं। ध्यान रहे कि पानी पीने के पहले मुंह न धोएं, न ब्रश करें तथा शौचकर्म भी न करें। पानी पीने के बाद थूकें नहीं। पानी पीने के पौन घंटे बाद आप ब्रश/दातून, मुंह धोना, शौचकर्म इत्यादि नित्यकर्म कर सकते हैं। जो व्यक्ति बीमार या कमजोर काया के हैं और वे एक साथ चार ग्लास पानी नहीं पी सकते तो उन्हें शुरूआत एक-दो ग्लास पानी से करना चाहिए तथा धीरे-धीरे चार ग्लास तक बढ़ाना चाहिए। साथ ही भोजन करने के बाद लगभग दो घंटे पानी न पिया जाए तो अति उत्तम रहेगा।

चार ग्लास पानी पीने की यह विधि स्वस्थ या बीमार, सभी के लिए अति लाभदायक सिद्ध हुई है। सकनीरा एसोसिएशन के अनुभव द्वारा यह सिद्ध किया गया है कि कई बीमारियां इस प्रयोग से निम्नलिखित समय में दूर होती जाती हैं।

- मधुमेह एक माह के लगभग। ● उच्च रक्तचाप एक माह के लगभग।
- गैस दो सप्ताह के लगभग। ● टी.बी. छः माह के लगभग। ● कब्जीयत- दो सप्ताह के लगभग।

सावधान रहें
ताजातरीन सब्जियों से

यूं तो हम हर रोज तरह-तरह की सब्जियां खाते हैं लेकिन वे ताजा होती हैं इस बारे में कुछ भी कहना मुश्किल है। हर रोज सामने आ रही बीमारियों के पीछे कहीं न कहीं एक कारण यह भी है कि आज इंसान को शुद्ध और ताजा आहार नसीब नहीं हो पा रहा। मिलावट और रसायन संरक्षण से सब्जियां भी अछूती नहीं हैं।

सब्जी विक्रेता आज या तो रसायन में संरक्षित कर रखी गई सब्जियां बेचते हैं या फिर मुनाफे के चक्कर में लौकी जैसी सब्जियों का आकार बढ़ाने के लिए उनमें ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन लगा देते हैं। आहार विशेषज्ञ का कहना है कि लोगों को अपने आहार में ताजा सब्जियों का इस्तेमाल करना चाहिए और ऐसी सब्जियों के सेवन से बचना चाहिए जो बहुत दिनों से संरक्षित कर रखी गई हों। ताजा सब्जियां जहां खाने में स्वादिष्ट और पौष्टिक होती हैं वहीं उनमें विटामिन काबोहाइड्रेट और प्रोटीन जैसे पोषक तत्व भी प्रचूर मात्रा में होते हैं लेकिन सावधानी यह जरूरी है कि सब्जियां सचमुच ताजा हो न कि उन्हें इंजेक्शन से ताजा बनाया गया हो। बाजार से सब्जियां खरीदते समय बहुत सतर्क रहने की जरूरत है। यदि ऐसी सब्जी खरीद ली जाती है, जिसका आकार बढ़ाने के लिए या चमकदार दिखाने के लिए किसी रसायन का इस्तेमाल किया गया हो तो इससे पेट में अल्सर अम्लता और गैस बनने जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। सब्जियों को संरक्षित कर रख दिए जाने स` उनके पोषक तत्वों में कमी आ जाती है, जो स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद नहीं हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए कि एक बार सब्जी बनाने के बाद उसे बार-बार गर्म करके रात तक इस्तेमाल किया जाता रहे। ऐसा करने से उसके पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं और शरीर को कोई फायदा नहीं पहुंचता। एक बार सब्जी बनाने के बाद उसे कुछ घंटों के भीतर ही इस्तेमाल कर लेना चाहिए। सब्जी को फ्रिज में रख देने का मतलब यह नहीं है कि वह जरा भी खराब नहीं होगी। फ्रिज में रखी सब्जी को भी छह-सात घंटे के भ ी त र इस्तेमाल कर लेना चाहिए। इसके बाद उसके पोषक तत्वों में ह्रास होने लगता है।

सिर्फ 5 आहार
ठंड में रखे सदाबहार

सर्द मौसम में व्यायाम करके अपने शरीर को गर्म व ऊर्जावान बनाए रखने के साथ ही अपने भोजन में ऐसी चीजों को शामिल करना भी जरूरी हो गया है जिनकी कम मात्रा लेने पर भी शरीर को भरपूर कैलोरी मिले। पेश है 5 ऐसे आहार जो आपको सर्दियों में तरोताजा और स्वस्थ बनाएंगे।

सलाद

आपके सुबह व शाम के भोजन में सलाद के लिए एक सुरक्षित स्थान होना चाहिए। यदि आप कम कैलोरी और हाई फाइबर वाला फूड लेना चाहते हैं तो सलाद आपके लिए बेहतर विकल्प है। सलाद के लिए प्रयोग में आने वाली कच्ची सब्जियों व फलों में एंटी ऑक्सीडेंट, नेचुरल एंजाइम्स और फाइबर्स होते हैं जो शरीर के कोलेस्ट्रॉल को कम करने के साथ ही भोजन के पाचन में भी सहायक होते हैं। इससे आपका वजन भी नियंत्रित रहता है। यदि आप सेहत के प्रति जागरूक हैं तो आपको रोजाना कम से कम एक बड़ा कप हरी सलाद खानी चाहिए।

छिलके वाली दालें

छिलके वाली दालों में प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। प्रोटीन के साथ ही दालों में फोलिक एसिड, विटामिन ए, विटामिन बी आदि होता है। इनका रोजाना सेवन शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को कम करता है जिससे आपका वजन नियंत्रित होता है।

पीले व खट्टे फल

फलों में सबसे अधिक गुणकारी खट्टे फल होते हैं। पीले व नारंगी रंग के फलों में बीटा केरोटिन व एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। खट्टे फल विटामिन सी, कैल्शियम, मिनरल, फाइबर्स आदि का प्रमुख स्रोत होते हैं जो शरीर के विकास के लिए उपयोगी होते हैं। नींबू में मौजूद पेक्टिन शरीर में जमा वसा को गलाता है और पाचन प्रक्रिया को भी धीमा करता है जिससे खाने के बाद भी लगने वाली भूख शांत होती है। खट्टे फलों का सेवन डाइबीटिज, कैंसर, एनीमिया, मोतियाबिंद, अस्थमा, किडनी में पथरी आदि रोगों में लाभदायक होता है। इन फलों को निरंतर सेवन से हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी वृद्धि होती है।

तरल, जूस व ड्रिंक

भोजन के पूर्व या पश्चात यदि आप तरल पदार्थ लेने के आदी हैं तो इस सर्द मौसम में भी आप छाछ, लस्सी, दही व फ्रूट जूस का सेवन कर सकते हैं। दही, छाछ व ताजे फलों का रस आपके शरीर के लिए गुणकारी होता है। खट्टे फलों में नींबू का रस वजन कम करने, डेंटल केयर, बुखार, रक्त शुद्धि आदि में सहायक होता है। भोजन के बाद ली जाने वाली छाछ में दूध की अपेक्षा फैट की मात्रा कम होती है। यदि हम लिक्विड में नारियल पानी की बात करें तो इसमें पोटेशियम की भरपूर मात्रा होती है, जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने के साथ ही शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। इसमें कार्बोहाइड्रेट, शर्करा व वसा की कम मात्रा होती है।

अंकुरित अनाज

अंकुरित किए जाने से अनाज में पोषक तत्वों की मात्रा दुगुनी हो जाती है। चना, मूंग, सोयाबीन, मटर आदि को अंकुरित करके खाया जा सकता है। सर्दियों के मौसम में नाश्ते में अंकुरित अनाज को शामिल करना स्वास्थ्य के लिहाज से बेहतर है। भरपूर अंकुरित अनाज का सेवन आप सूप या सलाद के साथ भी कर सकते हैं। सुलभ, सस्ता, बनाने में आसान व पौष्टिक होने के कारण अंकुरित अनाज का सेवन आपके शरीर के लिए लाभदायक होता है। विटामिन, मिनरल्स, प्रोटीन, एंटी ऑक्सीडेंट आदि की भरपूर मात्रा होने के कारण अंकुरित अनाज हमारे भोजन के पाचन में भी सहायक होता है।

ब्रेस्ट कैंसर से बचाता है
विटामिन डी

ब्रिटेन के विशेषज्ञों का कहना है कि विटामिन डी के सेवन से स्तन कैंसर के खतरे को कम किया जा सकता है. लंदन की सर्जन एवं प्रो. केफाह मोकबेल के अनुसार इससे एक हजार जिंदगियां प्रतिवर्ष बचाई जा सकती हैं. वैसे तो धूप विटामिन डी का सबसे बड़ा स्रोत है. लेकिन महिलाएं अक्सर अपनी दिनचर्या में इससे महरूम हो जाती है. प्रो. मोकबेल का दावा है कि 20 साल की आयु के बाद महिलाएं को प्रतिदिन एक विटामिन डी की गोली का सेवन करना चाहिए. इसके सेवन से स्वस्थ्य महिलाओं में भी ब्रेस्ट कैंसर होने की आशंका काफी घट जाती है. महिलाओं में जरूरी विटामिन डी लेबल काफी उच्च स्तर का होता है. जो अक्सर कम हो जाता है. इसे मेंटेंन करके खतरे को कम किया जा सकता है.

अध्ययन के अनुसार इसका (विटामिन डी की गोलियों का) खर्च काफी कम है और लाभ काफी अधिक क्योंकि इससे बड़ी परेशानी की आशंका काफी कम हो जाती है. एक अध्ययन के अनुसार, ब्रिटेन में हर साल 50 हजार महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर की चपेट में आ रही हैं. इसमें 1200 मौत के मुंह में चली जाती हैं. अध्ययन के अनुसार, वैसे तो विटामिन डी हड्डियों की मजबूती में अहम रोल अदा करता है. लेकिन अब यह भी माना जाता है कि विटामिन डी इम्यून सिस्टम और कोशिका विभाजन को नियंत्रित करने में भी लाभकारी है. यह दोनों कैंसर की रोक के अहम कारक हैं. अमेरिका के हार्वर्ड स्कूल और पब्लिक हेल्थ के अनुसार विटामिन डी की कमी से कई बड़ी बीमारियों जैसे ऑस्टियोपोरोसिस, हृदय रोग, फ्लू, कई प्रकार के कैंसर, टीबी और स्केरोसिस का खतरा बढ़ जाता है. विटामिन डी हड्डियों की मजबूती में अहम रोल अदा करता है यह इम्यून सिस्टम और कोशिका विभाजन को नियंत्रित करने में लाभकारी हेल्थ फैक्ट्स है.

जरा संभलकर मम्मी टू बी...

गर्भावस्था के दौरान जरा सी असावधानी बरतने पर आपको कमर दर्द संबंधी समस्या उत्पन्न हो सकती है। इससे बचने के लिए आइए जानते हैं क्या करें और क्या न करें

ऐसा न करें

- भारी वस्तुएं न उठाएं। ● कमर को झुकाएं नहीं।
- उल्टे-सीधे तरीके से न लेटें। ● जगने पर बिस्तर से झटके में न उठें।
- ज्यादा देर के लिए हाई हील न पहनें।
- कंधे पर भारी बैग लटकाकर न चलें।
- हर काम अपने सिर पर लेने की कोशिश न करें।

ऐसा करें

- भारी वस्तुएं उठाने के लिए अपने पति या अपने किसी खास से कहें।
- कमर झुकाने के बजाय घुटनों के बल बैठें और अपनी कमर सीधी रखें।
- अपनी स्पाइन को सीधा रखने के लिए जिस करवट लेटी हैं उस तरफ घुटनों के बीच में एक तकिया जरूर रखें।
- नींद से उठने पर पहले करवट लें। फिर अपने हाथों का सहारा लेकर बैठ जाएं।
- हाई हील के स्थान पर लो हील और फ्लैट जूते-चप्पल का ही इस्तेमाल करें। इससे आपकी पेल्विस और पीठ सीधी रहेगी।
- भारी बैग के बजाय बैक पैक का इस्तेमाल करें।
- जितना संभव हो घर के कामों की जिम्मेदारियां परिवार के सदस्यों को सौंपें। आपके साथ ही आने वाले नन्हें मेहमान को भी तो सुकून चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

उपराज्यपाल ने जम्मू कश्मीर से 55 सदस्यीय युवा दल को हरी झंडी दिखाकर नई दिल्ली के लिए किया रवाना

जम्मू, 8 जनवरी (हि.स.)। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आज जम्मू कश्मीर से 55 सदस्यीय युवा दल को हरी झंडी दिखाकर नई दिल्ली के लिए रवाना किया जो विकसित भारत युवा नेता संवाद – राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2025 में भाग लेंगे।

उपराज्यपाल ने भाग लेने वाले युवाओं और अधिकारियों से बातचीत की और प्रतिष्ठित आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने युवाओं से अपनी नेतृत्व प्रतिभा दिखाने और लोक नृत्य, कविता, लेखन, चित्रकला और संगीत में विविधता प्रदर्शित करने के लिए इस विशेष अवसर को अपनाने का आह्वान किया। उपराज्यपाल ने युवाओं से अपनी-अपनी प्रतिस्पर्धा में उत्कृष्टता हासिल करने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के तरीके तलाशने को कहा। उन्होंने कहा कि युवा अपनी नियति लिखने और जम्मू कश्मीर के भविष्य को आकार देने के लिए जिम्मेदार हैं।

कभी संतुष्ट महसूस न करें। अपने शब्दकोष से 'असंभव' शब्द को हटा दें और दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें। राष्ट्रीय युवा महोत्सव के विजन और उद्देश्य पर बोलते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि यह शानदार आयोजन हमारे युवाओं को देशभक्ति की भावनाओं के साथ राष्ट्र के प्रति भविष्य की चुनौतियों और जिम्मेदारियों को संभालने के लिए तैयार करता है। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर राष्ट्रीय सांस्कृतिक मानचित्र पर एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। युवा महोत्सव हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को लोकप्रिय बनाने और समाज की सांस्कृतिक चेतना को समृद्ध करने का अवसर प्रदान करेगा।

उपराज्यपाल ने कहा कि यूटी स्तर पर यह आयोजन विभिन्न जिलों और विभिन्न पृष्ठभूमियों के युवाओं को एक-दूसरे से मिलने और सीखने के लिए लाता है। उन्होंने कहा कि इससे विभिन्न संस्कृतियों और प्रतिभाओं की बेहतर समझ और प्रशंसा विकसित करने में मदद मिलती है। इंटरैक्टिव सत्र के दौरान युवाओं ने विभिन्न युवा सेवा और खेल विभाग के सचिव सरमद हफीज; युवा सेवा और खेल विभाग के महानिदेशक राजिंदर सिंह तारा; नोडल अधिकारी जितेंद्र मिश्रा, भाग लेने वाले युवा और राष्ट्रीय युवा महोत्सव के लिए दल के साथ आए अधिकारी उपस्थित थे।

कर्मचारियों और ठेकेदार को कार्यों के निष्पादन में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए किया प्रेरित

बिश्नाह 09, जनवरी (हि.स.)। खोजीपुर, चोरली और खैरी पंचायत में 23-23 लाख रुपये की लागत से कुल 69 लाख रुपये के विकास कार्यों का शुभारंभ करते हुए बिश्नाह विधायक डॉ. राजीव कुमार भगत ने अधिकारियों को चल रहे विकास परियोजनाओं में गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने इंजीनियरिंग स्टाफ और पंचायत सचिवों को हर स्तर पर परियोजनाओं की निगरानी करने और किसी भी अनियमितता की तुरंत रिपोर्ट करने के निर्देश दिए। स्थानीय मुद्दों को हल करने के लिए किए गए विकास कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने का महत्व बताया। ठेकेदारों को गुणवत्ता मानदंडों का पालन करने की सलाह दी गई। उन्होंने कहा कि यदि कार्य की गुणवत्ता उच्चतम मानक तक नहीं है तो यह आपकी उत्पादकता पर नकारात्मक प्रभाव डालेगा। विधायक ने कहा कि काम की गुणवत्ता तब सुनिश्चित होती है जब आप लगातार अपने काम की कड़ी जांच करते हैं। अपने स्वयं के काम का विश्लेषण करना, गलतियों की पहचान करना और उन्हें प्रारंभिक चरण में सुधारना गुणवत्तापूर्ण काम करने के लिए महत्वपूर्ण है।

जावेद अहमद डार ने जीएमसी बारामुला का औचक दौरा कर कामकाज की समीक्षा की

बारामुला, 08 जनवरी (हि.स.)। कृषि उत्पादन, ग्रामीण विकास विभाग और पंचायती राज मंत्री जावेद अहमद डार ने आज सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) बारामुला का औचक दौरा किया और इसके कामकाज और सेवा वितरण की समीक्षा की।

दौरे के दौरान जीएमसी बारामुला के प्रिंसिपल डॉ. माजिद जहांगीर और संबद्ध अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. परवेज मसूदी ने मंत्री को संस्थान के संचालन, बुनियादी ढांचे और चुनौतियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने रोगी देखभाल और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के उद्देश्य से चल रही परियोजनाओं और पहलों पर अपडेट प्रदान किए।

मंत्री ने वहां स्वास्थ्य सेवाओं पर प्रतिक्रिया लेने के लिए रोगियों, परिचारकों, डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ से बातचीत की। उन्होंने विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया और कर्मचारियों की ड्यूटी रोस्टर के बारे में विवरण मांगा, विशेष रूप से शाम और सुबह के घंटों के दौरान ताकि पर्याप्त स्टाफिंग और निर्बाध सेवा वितरण सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने प्रशासन को ड्यूटी शेड्यूल का सख्ती से पालन करने और सभी महत्वपूर्ण घंटों में कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जावेद डार ने संस्थान में सफाई और स्वच्छता बनाए रखने, आवश्यक दवाओं और उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और आपातकालीन सेवाओं में प्रतिक्रिया समय में सुधार करने के लिए सख्त निर्देश भी जारी किए। उन्होंने स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में जनता का विश्वास बनाने के लिए नियमित निगरानी और शिकायतों के समय पर निवारण की आवश्यकता पर बल दिया। गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए जावेद डार ने कर्मचारियों से व्यावसायिकता के उच्च मानकों को बनाए रखने और रोगियों को दयालु देखभाल प्रदान करने का आग्रह किया।

जिला विकास परिषद बडगाम के अध्यक्ष नजीर अहमद खान ने उपराज्यपाल से भेंट की

जम्मू 08 जनवरी (हि.स.)। जिला विकास परिषद बडगाम के अध्यक्ष नजीर अहमद खान ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से भेंट की।

डीडीसी अध्यक्ष ने बडगाम जिले के प्रमुख विकास मुद्दों पर प्रकाश डालते हुए उपराज्यपाल को मांगों का ज्ञापन सौंपा जिसमें बडगाम रेलवे स्टेशन पर वंदे भारत ट्रेन का ठहराव भी शामिल है। उन्होंने अनुरोध किया कि वंदे भारत ट्रेन का ठहराव कनेक्टिविटी में सुधार करके और दूधपथरी, युसमर्ग, तोसामैदान और चरार-ए-शरीफ दरगाह जैसे प्रसिद्ध स्थलों पर अधिक पर्यटकों को आकर्षित करके जिले की अर्थव्यवस्था को बहुत जरूरी बढ़ावा देगा। नजीर अहमद खान ने बडगाम में विकास परियोजनाओं, विशेष रूप से बीरवाह निर्वाचन क्षेत्र में नाला सुखनाग पर पुलों के निर्माण में उनके निरंतर समर्थन के लिए उपराज्यपाल का आभार व्यक्त किया, जो स्थानीय आबादी की लंबित मांग रही है। उपराज्यपाल ने डीडीसी अध्यक्ष को आश्वासन दिया कि बातचीत के दौरान उनके द्वारा पेश किए गए मुद्दों को हल करने के लिए उचित कार्रवाई की जाएगी।

तिरुपति बालाजी मंदिर जम्मू में वैकुंठ एकादशी मनाई जाएगी

जम्मू 08 जनवरी (हि.स.)। तिरुपति बालाजी मंदिर जम्मू में 10 जनवरी को वैकुंठ एकादशी मनाई जाएगी। मंदिर के प्रमुख आरसी सुब्रमण्यम ने बुधवार को मीडिया को बताया कि 10 जनवरी को तिरुपति बालाजी मंदिर में वैकुंठ एकादशी धूमधाम से मनाई जाएगी। आरसी सुब्रमण्यम ने कहा कि वैकुंठ एकादशी का बहुत महत्व है इससे वैकुंठ प्राप्ति के द्वार खुलते हैं। इस दिन तिरुपति बालाजी मंदिर में वैकुंठ एकादशी का पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। इस दिन मंदिर के उत्तरी द्वार खोले जाएंगे और भगवान तिरुपति बालाजी की पूजा की जाएगी। इस दौरान मंदिर में लंगर प्रसाद का भी आयोजन किया जाएगा। आरसी सुब्रमण्यम ने जम्मू के लोगों से अपील की कि वे एकादशी पर तिरुपति बालाजी मंदिर आएं और भगवान तिरुपति बालाजी की पूजा करें और लंगर प्रसाद ग्रहण करें। उन्होंने कहा कि सभी भक्तों को इस अवसर पर बढ़.चढ़कर भाग लेना चाहिए और अपना जीवन सफल बनाना चाहिए।

त्रिकुटा नगर स्थित पार्टी मुख्यालय में जनता दरबार लगाया

जम्मू 08 जनवरी (हि.स.)। आरएसपुरा-जम्मू दक्षिण के विधायक एवं भाजपा के राष्ट्रीय सचिव डॉ. नरिंदर सिंह और बहू के विधायक चौधरी विक्रम रंधावा ने जम्मू के त्रिकुटा नगर स्थित पार्टी मुख्यालय में जनता दरबार लगाया। प्रतिनिधिमंडलों के रूप में बड़ी संख्या में लोगों ने भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के समक्ष अपने व्यक्तिगत विकास के मुद्दे रखे। गंग्याल गार्डन से आए प्रतिनिधिमंडल ने गहरी नाली की सफाई और मौजूदा जल निकासी व्यवस्था के निर्माण का अनुरोध किया। गंग्याल से आए एक अन्य प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय नाली के निर्माण का अनुरोध किया। नानक नगर से आए प्रतिनिधिमंडल ने क्षतिग्रस्त गली और नाली के निर्माण का अनुरोध किया। जेकेआरटीसी के प्रतिनिधिमंडल ने वीआरएसध्जीएचएस की मांग उठाई। त्रिकुटा नगर से आए प्रतिनिधिमंडल ने नाले से सटी दीवार को मजबूत करने का अनुरोध किया। एक व्यक्ति ने फार्मेसी पंजीकरण प्रमाण पत्र के नवीनीकरण का अनुरोध किया। प्रतिनिधिमंडल ने जेपीडीसीएल से भुगतान में देरी का मुद्दा उठाया। ठेकेदारों जीईएम ठेकेदारों के प्रतिनिधिमंडल ने एपीसीओ इंफ्राटेक द्वारा 8 महीने से बिलों का भुगतान न करने और अवैध डेबिट का मुद्दा उठाया। सुंदरबनी से आए प्रतिनिधिमंडल ने जम्मू.कश्मीर के विभिन्न गुरुद्वारा साहिबों में 100 पंजाबी स्कूल खोलने का अनुरोध किया। ग्रेटर कैलाश में जेएमसी पार्क के रखरखाव के लिए प्रतिनिधिमंडल ने अनुरोध किया।

संपत्ति का वैध स्रोत नहीं बताने पर नशा एवं गोवंश तस्करी से जुड़े लोगों पर बड़ी कार्रवाई

कदुआ 08 जनवरी (हि.स.)। प्रशासन ने तहसील मढ़ीन की पंचायत चक देसा चौधरी में अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी कर 372 कनाल सरकारी भूमि (कहचराई भूमि) को तत्काल खाली करने की मांग की है। नोटिस में न केवल अतिक्रमणकारियों को भूमि खाली करने का निर्देश दिया गया है बल्कि उनसे यह भी मांग की गई है कि वे अतिक्रमित भूमि पर अवैध संरचनाओं के निर्माण के लिए उपयोग की गई आय और धन के स्रोतों का खुलासा करें। यह कदम अवैध संपत्ति के संचय और सरकारी भूमि पर अनधिकृत अतिक्रमण को संबोधित करने के लिए प्रशासन की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। इनमें से कुछ व्यक्तियों ने क्षेत्र में राज्य की भूमि के एक बड़े हिस्से पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया था और आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने के कारण उन पर पहले ही सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम लगाया जा चुका है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि नोटिस का पालन न करने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी जिसमें अवैध ढांचों को ध्वस्त करना और अतिक्रमणकारियों के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही शामिल है।

अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया है कि जो भी व्यक्ति अपनी आय या संपत्ति का वैध स्रोत नहीं बता पाएगा उसकी कड़ी जांच की जाएगी और उसके बाद कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह अभियान कदुआ जिला प्रशासन द्वारा सार्वजनिक भूमि को पुनः प्राप्त करने और कानून के शासन को कमजोर करने वाली अवैध गतिविधियों से निपटने के चल रहे प्रयासों का हिस्सा है। प्रशासन ने यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया है कि गैरकानूनी तरीकों से प्राप्त संपत्तियों की पूरी तरह से जांच की जाए और अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों को सख्त कानूनी परिणाम भुगतने पड़ें।

डीसी डॉ राकेश मिन्हास ने एसडीएम हीरानगर और तहसीलदार मढ़ीन के साथ अतिक्रमण स्थल का दौरा किया और अवैध भूमि हड़पने और अवैध धन संचय के प्रति प्रशासन की जीरो टॉलरेंस नीति को दोहराया। डॉ मिन्हास ने जोर देकर कहा कि पारदर्शिता महत्वपूर्ण है, उन्होंने अतिक्रमणकारियों से निर्माण के लिए उपयोग किए गए आय के स्रोतों के बारे में स्पष्ट जानकारी देने का आग्रह किया।

जन शिकायत एवं निवारण शिविर आयोजित

कदुआ 08 जनवरी (हि.स.)। जन संपर्क कार्यक्रम के तहत बुधवार को मढ़ीन ब्लॉक के चक देसा चैधरियां पंचायत के बनयारी गांव में ब्लॉक दिवस की कार्यवाही आयोजित की गई। कार्यक्रम में हीरानगर के विधायक विजय शर्मा, कदुआ के उपायुक्त डॉ. राकेश मिन्हास, डीडीसी मढ़ीन करण अत्री, पूर्व पीआरआई सदस्य, जिला एवं क्षेत्रीय अधिकारी तथा बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

कार्यक्रम में पूर्व पीआरआई सदस्यों सहित अनेक व्यक्तियों एवं प्रतिनिधिमंडलों ने अपनी मांगों को रखा तथा अपने-अपने क्षेत्रों के निवासियों की समस्याओं से जिला प्रशासन को अवगत कराया। लोगों ने बोरवेल का प्रावधान, बाढ़ सुरक्षा बुनियादी ढांचे में वृद्धि, पशु चिकित्सा औषधालय का प्रावधान, जीएचएसएस काना चक भवन का शीघ्र निर्माण, बेहतर सड़क संपर्क, कवर किए गए क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति और अन्य सुविधाएं आदि सहित मुद्दों को उजागर किया। कार्यक्रम के दौरान उठाए गए अन्य मुख्य मुद्दों में बनियारी में शौचालय परिसर का उद्घाटन, छब्बे चक रोड पर पुल का शीघ्र निर्माण, मथरे चक में सड़क संपर्क में सुधार आदि शामिल हैं। इस अवसर पर बोलते हुए हीरानगर के विधायक ने हीरानगर सेक्टर में अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास खेती के लिए किसानों की सुगम पहुंच के मुद्दे को भी उजागर किया। उन्होंने लोगों को आश्वासन दिया कि जीएचएसएस काना चक के निर्माण के लिए 76 लाख रुपये की जल्द मंजूरी के लिए संबंधित पक्षों से बात की जाएगी और जिला प्रशासन के हस्तक्षेप से काम पूरा किया जाएगा। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में अनिर्धारित बिजली कटौती को नियंत्रित करने का भी आह्वान किया।

सभा को संबोधित करते हुए डीसी ने कहा कि ब्लॉक दिवस के तहत जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित करने का उद्देश्य लोगों तक पहुंचना और उनकी शिकायतों को सुनना है, साथ ही लोगों के दरवाजे पर विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में सेवाओं और जानकारी का विस्तार करना है।

सड़क हादसे में दो जूनियर इंजीनियर समेत तीन लोग घायल

पुंछ 08 जनवरी (हि.स.)। पुंछ जिले के मेंढर क्षेत्र में ओपी हिल ग्राउंड के पास ढक्की ब्रिज पर बुधवार को हुए सड़क हादसे में दो जूनियर इंजीनियर समेत तीन लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि ओपी हिल ग्राउंड मेंढर के पास एक मोटरसाइकिल और टाटा सूमो के बीच टक्कर हो गई। इस घटना में तीन लोग घायल हो गए जिन्हें उप-जिला अस्पताल मेंढर में भर्ती कराया गया। घायलों की पहचान अक्षित शर्मा जेई 28 पुत्र अनिल कुमार निवासी जम्मू और आमिर खान जेई 26 पुत्र हुसैन निवासी अरी शरुती और रूबी कौसर 27 पत्नी तारिक हुसैन निवासी कलाबन के रूप में हुई है।

जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन, नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने उपराज्यपाल से भेंट की

जम्मू 08 जनवरी। जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन, जम्मू के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने इसके अध्यक्ष एडवोकेट के. निर्मल कोतवाल के नेतृत्व में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से भेंट की। प्रतिनिधिमंडल में एडवोकेट बलदेव सिंह, एडवोकेट प्रदीप मजोत्रा, एडवोकेट अंशु महाजन और एडवोकेट राहुल अग्रवाल शामिल थे, जिन्होंने उपराज्यपाल को कानूनी बिरादरी के विभिन्न मुद्दों से अवगत करवाया। वहीं पूर्व मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता अजातशत्रु सिंह ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से भेंट की। उनके साथ श्रीमती रितु सिंह भी थीं इसके बाद, जेएंडके सोलेस एम्प्लॉइज वर्किंग वूमेन एसोसिएशन की अध्यक्षा आबिदा वार और ऑल सिख माइनॉरिटी एम्प्लॉइज एसोसिएशन और ऑल एम्प्लॉइज ज्वाइंट एसोसिएशन कश्मीर की अध्यक्षा जगमीत कौर बाली ने भी उपराज्यपाल से भेंट की।

गुलशन कुमार मैरा मांदरेया और अशोक कुमार शर्मा चौकी चौरा मंडल से भाजपा अध्यक्ष निर्वाचित

अखनूर, 8 जनवरी (हि.स.)। भाजपा मंडल मैरा मांदरेया और भाजपा मंडल चौकी चौरा में मंडल अध्यक्ष रामलाल शर्मा व मंडल चौकी चौरा के मंडल अध्यक्ष कैप्टन बीडी शर्मा की अध्यक्षता में संगठनात्मक बैठक हुई। इस बैठक में असिस्टेंट रिटर्निंग ऑफिसर किशोरी लाल शर्मा उपस्थित रहे।

इसमें सर्व सहमति से मंडल मैरा मांदरेया में गुलशन कुमार शर्मा को मंडल अध्यक्ष चुना गया वहीं चौकी चौरा में अशोक कुमार शर्मा को मंडल अध्यक्ष चुना गया। इस मौके पर भाजपा वरिष्ठ नेता व जिला विकास परिषद के सदस्य पंडित सुरेश शर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन को मजबूत करने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को ज़िम्मेदारी के साथ कार्य करने को कहा। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज देश प्रगति के साथ ऊंची बुलंदियों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि कई कल्याणकारी योजनाए देश भर में चलाई जा रही हैं जिनका भरपूर लाभ लोगों को मिल रहा है। उन कल्याणकारी योजनाओं को पंक्ति में खड़े आखिरी व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य प्रत्येक कार्यकर्ता को करके संगठन को मजबूत बनाना है। इसके अलावा सुरेश शर्मा ने कहा आने वाले दिनों में पंचायती चुनाव होने हैं आप सबको उसके लिए भी तैयार रहना है। इस मौके पर जिला महामंत्री कुलदीप शर्मा, मनारटी मोर्चा जिलाध्यक्ष गुरपाल सिंह, दोनों मंडलों के सभी बुथ अध्यक्ष व मंडल की टीमें उपस्थिति रही।

IAS/JKAS

FRESH BATCHES

- General Studies, CSAT & Optionals
- Test Series- Prelims/Mains (Online/Offline)
- Exclusive Batches for Essay Writing
- One to One Mentorship Sessions

Upcoming Events

- Mega Scholarship Test on 25th Jan, 2025
- Essay writing Competition on 12th Jan, 2025

9103456098, 9622288178, 7006612968

SR COLLEGE OF COMPETITIONS

10 A/C, GANDHI NAGAR, JAMMU

UNION TERRITORY OF JAMMU & KASHMIR7
JAL SHAKTI (RTIC) DEPARTMENT
Office of the Executive Engineer Tawi Canal Construction Division Jammu

Subject: -Extension of works:-
1. Clearance of Jungle/Silt of D1 of MTC from RD 0-4700 M.
2. Clearance of Jungle/Silt of Distributary D1 of Old Basantar Canal from RD 0-1800 M respectively.
3. Clearance of Jungle/ silt of main D3 of MTC from RD 0-6200 M at stretches.
4. Clearance of Jungle/ Silt of D4 of MTC from RD 0-1800 M at stretches.

Reference: - This Office e-NIT No. 14 of 2024-25 dated 21.12.2024 issued vide endorsement No. TCCD/J/2274-87 of dated: 21.12.2024.

Corrigendum

Due to poor response, the above mentioned works in e-NIT are hereby extended up to 10.01.2025 up to 6.00 PM and the same shall be opened on 11.01.2025 at 2.00 PM subjective.

Rest all terms and conditions shall remain the same.

No. TCCD/J/2632-2645 Dated: 08.01.2025

-Sd-
Executive Engineer
Tawi Canal Const Division
Jammu

DIP/J-9013/24
Dtd: 8-1-2025

संपादकीय

समय रहते कार्रवाई की जरूरत

अब समय आ गया है कि जम्मू-कश्मीर सरकार एक बार फिर सावधानी बरते और कोविड-19 जैसी अभूतपूर्व चिकित्सा आपात स्थिति का सामना करने के लिए तैयार हो जाए, क्योंकि देश में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (HMPV) के मामले बढ़ने लगे हैं, हालांकि वर्तमान में स्थिति चिंताजनक नहीं है क्योंकि चीजें पूरी तरह नियंत्रण में हैं।

इस संदर्भ में, कथित तौर पर केंद्र सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को आईएलआई और एसएआरआई सहित श्वसन संबंधी बीमारियों की निगरानी बढ़ाने और देश भर में पांच मामलों का पता चलने के बाद ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस के संचरण की रोकथाम के बारे में जागरूकता फैलाने की सलाह दी है।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कोविड-19 की दूसरी और तीसरी लहर के दौरान गंभीर असफलताओं के बावजूद, सरकार फिर से इनकार करने की मुद्रा में आ गई है और दावा कर रही है कि HMPV कोई नया वायरस नहीं है और चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। बेशक, घबराहट किसी भी समस्या का समाधान नहीं है, लेकिन कोविड-19 महामारी के परिणाम को देखते हुए, देश में ऐसी किसी भी बीमारी के आगमन को हल्के में लेना बिल्कुल भी उचित नहीं है, क्योंकि कोई नहीं जानता कि गधा किस करवट बैठेगा?

यह अच्छी बात है कि जम्मू-कश्मीर में सरकार ने घोषणा की है कि वह मानव मेटान्यूमोवायरस से निपटने के लिए तैयार है और उसने पूरे यूटी में सभी अस्पतालों को आइसोलेशन बेड तैयार रखने का निर्देश दिया है। यह दृष्टिकोण समय की मांग है क्योंकि वर्तमान में कोई नहीं जानता कि यह बीमारी आने वाले समय में कैसे फैलेगी और इस संक्रमण के क्या परिणाम होंगे, क्योंकि अगर यह संक्रामक वायरस कोविड-19 के मामले की तरह जंगल में आग की तरह फैलने लगे तो कुछ भी हो सकता है।

हालाँकि मानव मेटान्यूमोवायरस (HMPV) के मामलों में वृद्धि वर्तमान में प्रबंधनीय है, लेकिन जम्मू-कश्मीर सरकार को किसी भी संभावित वृद्धि के लिए तैयारियों को सुनिश्चित करने के लिए समय पर और सक्रिय कदम उठाने चाहिए। सतर्कता, शीघ्र हस्तक्षेप और जन जागरूकता भविष्य के जोखिमों को कम करने और सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण होगी, इसलिए सरकार के लिए यह आवश्यक है कि वह किसी भी प्रकार की आपात स्थिति और इस वायरल संक्रमण के भविष्य में बढ़ने के लिए तैयार रहे, जो वृद्ध आबादी और कुछ चिकित्सा स्थितियों वाले लोगों के लिए जोखिम भरा साबित हो सकता है।

चुनावी शुचिता पर बेजा सवालों के तार्किक जवाब

विकास सक्सेना

दिल्ली विधानसभा के चुनावों की तारीखों के ऐलान के लिए चुनाव आयोग की तरफ से पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। यूँ तो चुनाव कार्यक्रम की जानकारी चंद मिनटों में देकर इस बातचीत को समाप्त किया जा सकता था, लेकिन मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने इस मौके का भरपूर फायदा उठाते हुए उन तमाम सवालों का विस्तार से तार्किक जवाब देने की कोशिश की जिनके माध्यम से देश की चुनाव प्रक्रिया में खोट निकालने के प्रयास कुछ राजनैतिक दलों और सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा किए जा रहे हैं। अपने शायराना अंदाज में मुख्य चुनाव आयुक्त ने परोक्ष रूप से चुनाव प्रक्रिया पर बेजा सवाल उठाने वालों पर निशाना तो साधा ही, यह भी कहा कि देश में जीवंत लोकतंत्र है इसलिए सभी को सवाल पूछने की पूरी आजादी है और हमारा दायित्व है कि हर सवाल का जवाब लोगों को दिया जाए।

पिछले कई चुनावों का एक सामान्य चलन हो गया है कि जब भी चुनाव के नतीजे गैर भाजपा दलों के पक्ष में नहीं आते, तब वे अपनी नाकामी का ठीकरा चुनाव आयोग और ईवीएम के सिर फोड़ते हैं। लगातार मतदाताओं द्वारा नकारे जाने के बाद कुछ राजनैतिक दल तो अब चुनाव के नतीजे आने से पहले ही ईवीएम का रोना, रोना शुरू कर देते हैं। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों के बाद तो ईवीएम और चुनाव प्रक्रिया पर इन विपक्षी दलों के हमले और तीखे हो गए हैं। अब तक ईवीएम में खामी बताकर अपनी नाकामी पर पर्दा डालने वाले राजनैतिक दलों ने तो इस बार पूरी चुनाव प्रक्रिया को ही दूषित बताते हुए देश के मतदाताओं में भ्रम डालने का प्रयास किया। उन्होंने मतदाता सूचियों से बड़ी तादाद में नाम काटने या नाम जोड़ने, मतदान बंद होने के बाद मत प्रतिशत बढ़ने और ईवीएम हैकिंग को लेकर जिस तरह के सवाल उठाए उसने चुनाव प्रक्रिया से जुड़े पूरे तंत्र को सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया।

संभवतया मुख्य चुनाव आयुक्त के तौर पर आखिरी बार पत्रकारों से बातचीत करने के लिए आए राजीव कुमार ने दिल्ली विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा के अवसर पर इन तमाम सवालों का सिलसिलेवार ढंग से जवाब दिया और पत्रकारों को पूरी प्रक्रिया बताई। चुनाव को लेकर हाल फिलहाल सबसे गंभीर सवाल मतदाता सूचियों से किसी दल विशेष के समर्थकों के नाम काटने और किसी दल विशेष से समर्थकों के नाम जोड़ने को लेकर उठ रहे हैं। इसको लेकर सीईसी राजीव कुमार ने बताया कि चुनाव आयोग हर साल मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण का कार्य करता है। इसकी सूचना प्रत्येक राजनैतिक दल को दी जाती है। प्रत्येक बूथ पर मतदाता सूचियों का प्रकाशन किया जाता है। किसी भी मतदाता का नाम काटने या नाम बढ़ाने की एक निश्चित प्रक्रिया होती है जिसका पालन किया जाता है। राजनैतिक दल इन बूथों पर अपने अभिकर्ता बना सकते हैं। इसके अलावा इस सबकी सूचना सभी राजनैतिक दलों को नियमित रूप से दी जाती है। उन्होंने बिना नाम लिए कहा कि कुछ लोग 50 हजार वोट काटे जाने के आरोप लगा रहे हैं, एक साथ किसी क्षेत्र में इतने वोट कम होना अव्यवहारिक है। उन्होंने मतदाता सूचियों में हेरफेर का आरोप लगाने वालों से अपील की कि यदि अगर उन्हें लगता है कि कहीं गड़बड़ी हुई है तो उसकी स्पष्ट शिकायत करें, उस पर निश्चित तौर पर कार्रवाई की जाएगी। यूं ही आरोप लगाना ठीक नहीं है।

चुनाव के बाद एक खबर काफी चर्चा में रही जिसमें दावा किया जा रहा था कि जिन वोटों की गिनती हुई है उनकी संख्या ईवीएम में डाले गए कुल वोटों से तकरीबन पांच लाख अधिक है। इस समाचार के सामने आते ही लोगों में तरह-तरह की चर्चाएं होने लगी थीं। इस समाचार का जिक्र करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया कि जैसे ही यह समाचार उनके संज्ञान में आया तो अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया गया कि ईवीएम के अलावा बहुत से लोग डाक मतपत्रों के जरिए भी अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं। यह अन्तर पोस्टल बैलेट को न जोड़ने के कारण आ रहा है। उन्होंने कहा कि इसके बाद संबंधित पोर्टल से उस समाचार को हटा दिया गया लेकिन स्थिति स्पष्ट नहीं की गई इस कारण जो नुकसान होना था वह तो हो गया।

मतदान की समाप्ति के कुछ घण्टों बाद मत प्रतिशत में पांच से आठ प्रतिशत तक की बढ़ोतरी को लेकर उठे सवालों का भी उन्होंने बड़े ही तार्किक ढंग से जवाब दिया। उन्होंने बताया कि देश में लगभग साढ़े दस लाख मतदेय स्थल (पोलिंग बूथ) होते हैं। प्रत्येक मतदेय स्थल पर कम से कम चार मतदान कर्मी नियुक्त किए जाते हैं। इस तरह मतदान प्रक्रिया में 45 से 50 लाख कर्मचारी लगे होते हैं। ये मतदान कर्मी अलग अलग विभागों के होते हैं और सामान्य तौर पर एक दूसरे से अपरिचित होते हैं। ऐसे में इतनी बड़ी संख्या में कर्मचारियों को प्रभावित कर पाना असंभव है। जहां तक मतदान समाप्त होने के बाद मत प्रतिशत में बढ़ोतरी का सवाल है तो मतदान समाप्ति के समय पोलिंग बूथ पर मौजूद पीठासीन अधिकारी अत्यंत व्यस्त होते हैं। उन्हें ईवीएम, बैलेट यूनिट, बैटरी आदि को सील करना होता है और साथ ही बूथ पर मौजूद विभिन्न प्रत्याशियों के अभिकर्ताओं को फार्म 17ग देना होता है जिसमें उस बूथ पर पड़े वोटों का पूरा लेखा-जोखा होता है। उन्होंने कहा कि अत्यंत व्यस्तता के चलते बहुत से पीठासीन अधिकारी और सेक्टर मजिस्ट्रेट तत्काल पूरे आंकड़े नहीं दे पाते। लेकिन जब मतदान कर्मियों का दल मशीनों को जमा करने संग्रह केंद्र पहुंचता है तो वह ईवीएम के साथ मतपत्र लेखा (फार्म 17ग) की प्रति भी देता है। इनके आधार पर रात तक सारे आंकड़े सभी राजनैतिक दलों के साथ साझा करते हुए वेब साइट पर अपलोड किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि बहुत से पोलिंग बूथ दूरदराज के क्षेत्रों में होते हैं इसलिए उनके आंकड़े मिलने में देरी हो जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि मतदान प्रक्रिया के समाप्त होते ही साढ़े दस लाख पोलिंग बूथों से आंकड़े जमा करके उसकी सटीक सूचना तुरन्त दे पाना असंभव है।

मत प्रतिशत में हेरफेर की किसी भी संभावना को सिरे से खारिज करते हुए उन्होंने साफ किया मतदान प्रक्रिया समाप्त होने के बाद प्रत्येक मतदेय स्थल पर पीठसीन अधिकारी वहां मौजूद सभी पोलिंग एजेण्ट को मतपत्र लेखा (फार्म 17ग) की एक प्रति उपलब्ध कराते हैं। इसमें ईवीएम में पड़े वोट आदि का पूरा विवरण होता है। मतगणना के दिन प्रत्याशी फार्म 17ग साथ [illegible] आते हैं और इनका मिलान [illegible] के बाद ही ईवीएम से वोट[illegible] गिनती की जाती है। फार्म [illegible] और ईवीएम में दर्ज वोटों में [illegible] भी प्रकार का अन्तर होने पर [illegible] मशीन की गणना नहीं की [illegible] है। ईवीएम की हैकिंग को [illegible] उन्होंने साफ किया कि न्याय[illegible] ने भी मान लिया है कि ईवीए[illegible] हैक नहीं किया जा सकता है[illegible]

अगले महीने 18 फरवर[illegible] सेवानिवृत्त होने से पहले [illegible] आखिरी पत्रकार वार्ता में [illegible] चुनाव आयुक्त राजीव कुमा[illegible] चुनाव की शुचिता को लेकर [illegible] जा रहे सवालों के काफी ता[illegible] तरीके से जवाब दिए। उन्होंने [illegible] कि बीते चार वर्षों में देश के [illegible] राज्यों में विधानसभा [illegible] करवाए हैं। इन चुनावों में [illegible] अलग-अलग दलों ने सर्वा[illegible] सीटें हासिल की हैं। लेकिन [illegible] बाद भी इस बात की उम्मीद [illegible] ही है कि राजनैतिक दल ई[illegible] और चुनाव प्रक्रिया पर [illegible] उठाने बंद कर देंगे। [illegible] जितनी बातें सीईसी राजीव [illegible] ने बताई हैं कमोबेश उन [illegible] राजनेता भली-भांति परिचित [illegible] वे तो अपनी नेतृत्व क्षमता पर [illegible] वाले सवालों को दबाने के [illegible] अपनी नाकामी का ठीकरा ई[illegible] और चुनाव आयोग के सिर फ[illegible] हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणी

मिटाना होगा आत्महत्याओं का कलंक

रमेश सर्राफ धमोरा

भारत में आए दिन आत्महत्या की घटनाएं होती रहती है। आंकड़ों पर गौर करें तो देश में हर चार मिनट में एक आत्महत्या होती है। शायद ही कोई दिन ऐसा बीतता होगा जब किसी न किसी इलाके से गरीबी, भुखमरी, कुपोषण, बेरोजगारी, कर्ज जैसी तमाम आर्थिक तथा अन्य सामाजिक दुश्वारियों से परेशान लोगों के आत्महत्या करने की खबरें न आती हों। आत्महत्या सभ्य समाज के माथे पर कलंक के समान है। आत्महत्या में व्यक्ति स्वयं को दंडित करते हुए अपनी जान दे देता है। ऐसा कोई व्यक्ति तभी करता है जब वह चारों तरफ से निराश हो जाता है।

आत्महत्या का सबसे बड़ा कारण आर्थिक पक्ष को माना जाता है। उसके बाद मानसिक, पारिवारिक व अन्य बहुत से कारण हो सकते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर होने पर व्यक्ति स्वयं को गिरा हुआ महसूस करता है और अंत में वह आत्महत्या करने जैसा घिनौना कदम उठा लेता है। हम आए दिन अखबारों में पढ़ते हैं कि परिवारों ने आर्थिक कारणों से सामूहिक आत्महत्या कर जीवन लीला समाप्त कर ली। बहुत से किसान खेती का कर्ज नहीं चुका पाने के कारण आत्महत्या करते हैं। आत्महत्या की घटनाओं को रोकने के लिए सरकार ने कानून तो बना दिया मगर उसका प्रभाव समाज पर पड़ता दिखाई नहीं दे रहा है। प्रेम में असफल होने पर भी बड़ी संख्या में नवयुवक-युवतियां आत्महत्या कर जीवन लीला समाप्त करते हैं।

आंकड़ों की दृष्टि से भारत आत्महत्याओं के मामले में दुनिया में सबसे ऊपर होता जा रहा है। आत्महत्या रोकने की दिशा में अब तक सरकारी स्तर पर जितने भी प्रयास हुए हैं वह सब नाकाफी साबित हुए हैं। सरकारी आंकड़ों में जितनी आत्महत्या की संख्या दर्शायी जाती है उससे कई गुना अधिक लोग आत्महत्या कर अपनी जान गंवा रहे हैं। मगर आत्महत्या की घटनाओं को रोकने की कोई सार्थक पहल नहीं हो पाई है। खेती के लिए लिया गया कर्ज़ नहीं चुका पाने के कारण भी बड़ी संख्या में किसान आत्महत्या कर रहे हैं। मगर सरकारी बैंकों, साहूकारों के कर्ज से परेशान किसान आज भी आत्महत्या कर रहे हैं। बैंक आज भी किसानों से जबरदस्ती कर्ज वसूली के लिए उनकी जमीने नीलाम कर रहे हैं। इसी के चलते किसान मजबूर होकर आत्महत्या जैसे कदम उठाने को मजबूर हो रहे हैं।

भारत में आत्महत्या एक प्रमुख समस्या है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार 2022 में 171,000 आत्महत्याएं की गईं थी जो 2021 की तुलना में 4.2 प्रतिशत अधिक थी । प्रति एक लाख की जनसंख्या पर आत्महत्या की दर 2022 में बढ़कर 12.4 हो गई जो आंकड़ो के हिसाब से सर्वोच्च थी। 2022 के दौरान आत्महत्याओं में 2018 की तुलना में 27 प्रतिशत की वृद्धि हुई और भारत में दुनिया में सबसे अधिक आत्महत्याएं हुईं। वैश्विक आत्महत्या के मामलों में मौत के भारत के आंकड़े 1990 में 25.3 प्रतिशत से बढ़कर 2016 में महिलाओं में 36.6 प्रतिशत और पुरुषों में 18.7 प्रतिशत से बढ़कर 24.3 प्रतिशत हो गये। 2016 में 15-29 वर्ष और 15-39 वर्ष के आयु समूहों में आत्महत्या मृत्यु का सबसे आम कारण था। दैनिक वेतन भोगी लोग आत्महत्या पीड़ितों का 26 प्रतिशत हिस्सा थे। जो आत्महत्या के आंकड़ों में सबसे बड़ा समूह था।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार 2022 में राज्यों में सबसे अधिक आत्महत्याएं महाराष्ट्र (22,746) में हुईं। इसके बाद तमिलनाडु में 19,834 और मध्य प्रदेश में 15,386 आत्महत्याएं हुईं। चार राज्यों महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल को मिलाकर देश में हुयी कुल आत्महत्याओं में से लगभग आधी उक्त प्रदेशों में हुयी थी। नागालैंड में केवल 41 आत्महत्याएं हुईं। महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश और कर्नाटक में 2017 से 2019 के दौरान भारत में लगभग आधी आत्महत्याएं हुयी हैं। केंद्र शासित प्रदेशों में दिल्ली में सबसे अधिक आत्महत्याएं हुईं, उसके बाद पुडुचेरी का स्थान रहा। बिहार और पंजाब में 2018 की तुलना में 2019 में आत्महत्याओं के प्रतिशत में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुयी थी।

एनसीआरबी की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले पांच सालों में आत्महत्या की घटनाओं का ग्राफ लगातार बढ़ता हुआ दिखता है। 2017 में देश में 1,29,887 आत्महत्याओं की मामले रिकॉर्ड किए गए थे। तब आत्महत्या दर 9.9 प्रतिशत थी। आत्महत्या दर प्रति लाख आबादी पर होने वाली आत्महत्या की घटनाओं को दर्शाता है। 2017 के आंकड़ों के मुताबिक देश में प्रति लाख 9.9 आत्महत्या की घटनाएं दर्ज की गईं थी। 2018 में आत्महत्या दर में इजाफा हुआ और ये बढ़ कर 10.2 पर पहुंच गयी थ। तब देश में 1,34,516 आत्महत्या के मामले दर्ज हुए थे। 2019 में कुल 1,39,123 लोगों ने तो 2020 में ये संख्या बढ़कर 1,53,052 हो गई थी। 2021 में आत्महत्या के 1,64,033 मामले हुये थे।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड [illegible] के तुलनात्मक आंकड़े बता[illegible] कि भारत में आत्महत्या क[illegible] विश्व आत्महत्या दर के मुक[illegible] बढ़ी है। भारत में पिछले दो द[illegible] की आत्महत्या दर में एक [illegible] लोगों पर 2.5 फीसद की वृ[illegible] है। आज भारत में 37.8 प[illegible] आत्महत्या करने वाले लोग[illegible] वर्ष से भी कम उम्र के हैं। [illegible] ओर 44 वर्ष तक के लोग[illegible] आत्महत्या की दर 71 प[illegible] तक बढ़ी है। 2018 में पारि[illegible] मेंटल हेल्थ केयर एक्ट 201[illegible] तहत भारत में आत्महत्य[illegible] अपराधीकरण का कानून [illegible] करते हुए मानसिक बीमरि[illegible] जूझ रहे लोगों को मुफ्त मद[illegible] प्रावधान किया गया है। इस[illegible] कानून के तहत आत्महत्या[illegible] प्रयास करने वाले किसी भी [illegible] को मदद पहुंचाना, इ[illegible] करवाना और पुनर्वास [illegible] सरकार की जिम्मेदारी होगी[illegible]

भारत के साथ-साथ पूरे [illegible] में मानसिक स्वास्थ से जूझ[illegible] लोगों की संख्या बढ़ने [illegible] आशंका जताई जा रही है।

अवैध निर्माण व कब्जा : भूमाफिया और भ्रष्ट अधिकारियों पर नकेल कसने की जरूरत

डॉ. अनिल कुमार निगम

आज दिल्ली एनसीआर सहित देश के विभिन्न शहरों में अवैध निर्माण और कब्जा बहुत जटिल समस्या बन गई है। विडंबना है कि देश के विभिन्न शहरों में भूमाफिया न केवल सक्रिय बल्कि वे जमीनों पर अवैध कब्जा कर अथवा अवैध तरीके से निर्माण कर जमीन और भवनों को भोलेभाले लोगों को बेच देते हैं। यह सारा काम प्रशासनिक अधिकारियों से साठगांठ से किया जाता है और बाद में इन अवैध निर्माण को वैध कराने के लिए अदालतों में इस आधार पर अपील दायर की जाती है कि निर्माण अत्यधिक पुराना है लिहाजा उसे वैध कर दिया जाए। प्रश्न है कि भूमाफिया और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच इस षडयंत्र के कुचक्र को तोड़ने के लिए सरकारें क्या कर रही हैं प्रश्न यह भी है कि प्रदेश सरकारें इस कुचक्र पर प्रहार क्यों नहीं करती ऐसे मामलों पर अदालतों को हस्तक्षेप क्यों करना पड़ता है कहीं ऐसा तो नहीं कि भूमाफिया के अवैध धंधों को संरक्षण मिला हुआ है

प्रशासनिक देरी, समय बीतने या निवेश के कारण कोई अवैध निर्माण वैध नहीं हो सकता। यह बात देश की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट ने गत माह 18 दिसंबर को एक फैसले के सिलसिले में यह टिप्पणी भी की। दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज देश के विभिन्न नगरों एवं महानगरों में भूमाफिया सक्रिय हैं। वे न केवल अवैध कब्जा करते और निर्माण करते हैं बल्कि उन जमीनों पर कालोनी काटकर अथवा भवन बनाकर लोगों को बेच रहे हैं। इन भूमाफियाओं की स्थानीय अधिकारियों एवं नेताओं से इतनी गहरी साठगांठ होती है कि जब वे यह सब करते हैं तो प्रशासनिक अधिकारी और नेता इसकी न केवल अनदेखी करते हैं बल्कि समय बीतने के साथ ही वे अवैध निर्माण को वैध करने की प्रक्रिया शुरू कर देते हैं।

यूं तो संपूर्ण देश में अवैध निर्माण एक संगठित अपराध बनकर उभरा है पर देश की राजधानी दिल्ली और एनसीआर में यह काम धड़ल्ले से चल रहा है। भूमाफिया काम के सिलसिले में देश के अनेक हिस्सों से आने वाले लोगों को मकान और दुकान बेचने के नाम पर ठग रहे हैं और वे भ्रष्ट अधिकारियों से साठगांठ कर सरकार को करोड़ों का चूना भी लगा रहे हैं। आज दिल्ली के अंदर आने वाले गांव, दिल्ली से सटे नोएडा-ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद और गुड़गांव के गांवों के आसपास और शायद ही कोई ऐसा सेक्टर होगा, जहां पर भूमाफिया ने अवैध निर्माण कर लोगों को ठगा न हो।

मजे की बात यह है कि जब यह अवैध निर्माण चलता है प्राधिकरण अथवा प्रशासन के अधिकारी जानबूझकर कोई कार्रवाई नहीं करते क्योंकि माफिया इसके बदले अधिकारियों की जेबें जमकर गरम करते हैं। आपने सुना होगा कि नोएडा, ग्रेटर नोएडा अथवा गाजियाबाद प्राधिकरणों के अधिकारियों के घरों पर विजीलेंस, ईडी अथवा आयकर विभाग की टीमें प्रायः छापे मारती हैं और उनके घरों से अकूत संपत्ति भी पकड़ी गई है। नोएडा के कई ऐसे बहुचर्चित अधिकारी सरदार मोहिंद सिंह, रविंद्र यादव, यादव सिंह आदि हैं जिन पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लग चुके हैं।

पहले निर्माण और बाद में बुल्डोजर चलाने के मामले में 18 दिसंबर 2024 को सुप्रीम कोर्ट को दिशा-निर्देश भी जारी करने पड़े। जस्टिस जेबी पारदीवाला व जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने कहा कि निर्माण के बाद होने वाले कानूनी उल्लंघनों के खिलाफ भी त्वरित कार्रवाई होनी चाहिए। ऐसे निर्माण को गिराने के साथ दोषी अधिकारियों पर भी जुर्माना लगाया जाना चाहिए। पीठ ने मेरठ में एक रिहायशी भूमि पर बने अवैध व्यावसायिक निर्माण के ध्वस्तीकरण को सही ठहराते हुए कहा, शहरी योजना से जुड़े कानूनों व अधिकारियों की जिम्मेदारियों को सख्ती से लागू करने की जरूरत है।

अवैध निर्माण को नियमित करने वाली योजनाएं केवल असाधारण परिस्थितियों में और विस्तृत सर्वेक्षण के बाद आवासीय घरों के मामले में एक बार के उपाय के रूप में लाई जानी चाहिए। अनधिकृत निर्माण, उसमें रहने वालों और आस-पास रहने वाले नागरिकों के जीवन के लिए खतरा पैदा करने के अलावा, बिजली, भूजल और सड़कों तक पहुंच जैसे संसाधनों पर भी प्रभाव डालते हैं, जिन्हें मुख्य रूप से व्यवस्थित विकास और अधिकृत गतिविधियों के हिसाब से डिजाइन किया जाता है।

यहां अधिकारियों एवं सरकार के समक्ष अनेक सवाल रख रहा हूं। प्रश्न है कि अवैध कालोनी और फ्लैटों की रजिस्ट्री क्यों और कैसे होती है अगर जमीन और निर्माण अवैध है तो इन भवनों को कंपलीशन सर्टिफिकेट कैसे मिल जाता है बिजली विभाग यहां पर कनेकसन क्यों और कैसे दे दिया जाता है नगर निगम अथवा प्रशासन यहां पानी का कनेक्सन कैसे उपलब्ध करा देता है यह भी देखा गया है कि यह सब होने के बाद स्थानीय नेता यहां रहने वालों के राशनकार्ड और वोटर आईडी कार्ड बनवा देते हैं, आखिर इस प्रक्रिया पर प्रतिबंध कौन लगाएगा

लोगों को अवैध निर्माण से मुक्त कराना है तो प्राधिकरणों और प्रशासन को अवैध निर्माण की निगरानी का सशक्त तंत्र बनाना चाहिए। अगर किसी भी इलाके में अवैध निर्माण हो रहा है तो अधिकारियों को प्रारंभिक स्तर पर ही उसके ढहा देना चाहिए। बावजूद इसके यदि वहां अवैध निर्माण हो गया है तो उस क्षेत्र के अधिकारी के खि[illegible] सख्त विभागीय कार्रवाई [illegible] जानी चाहिए। इसके अ[illegible] भूमाफियाओं को चिन्हित [illegible] उनके खिलाफ संख्त [illegible] उठाए जाएं।

सरकारी एवं अधि[illegible] जमीनों का नियमित तौर प[illegible] कराया जाए। इसके लिए [illegible] की भी मदद ली जा सकत[illegible] हाल ही में दिल्ली में सर[illegible] जमीन पर कब्जे की समस्[illegible] निपटने के लिए दिल्ली वि[illegible] प्राधिकरण, दिल्ली नगर [illegible] और सर्वे ऑफ इंडिया ने [illegible] अहम समझौता किया है। [illegible] तहत ड्रोन सर्वे की मद[illegible] जमीन का सटीक रिकॉर्ड [illegible] किया जाएगा। ड्रोन सर्[illegible] अतिक्रमण का आसानी से [illegible] लगाया जा सकेगा और उ[illegible] नजर रखी जा सकेगी।कि[illegible] शहर के सुनियोजित वि[illegible] और लोगों को समुचित सु[illegible] एवं गुणात्मक सुविधा [illegible] करना शासन और प्रशास[illegible] नैतिक जिम्मेदारी है। इ[illegible] भूमाफिया और [illegible] अधिकारियों दोनों पर ही [illegible] कसने की जरूरत है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पण[illegible] हैं।)

रैकेट फेंकने के लिए नोरी ने मांगी माफी

एजेंसी

ऑकलैंड। कैमरून नोरी ने ऑकलैंड क्लासिक में फेकुंडो डियाज अकोस्टा से सीधे सेट में पिछड़ने के बाद हताशा में अपना रैकेट फेंका जो कि गलती से एक दर्शक को लगा और उन्होंने इसके लिए माफी मांगी। यह घटन उस समय हुई जब अर्जेंटीना के फाकुंडो डियाज अकोस्टा से सीधे सेट में 6-2, 5-3 से पिछड़ने पर नोरी ने हताशा अपना रैकेट फेंका जोकि बॉक्स में बैठक एक महिला को जा लगा। अम्पायर ने नोरी को चेतावनी दी। नोरी को इस मुकाबले में 6-2, 6-3 से हरा मिली। मैच के बाद नॉरी ने कहा, मेरा ऐसा करने का कोई इरादा नहीं था और ऐसा करना मेरे स्वभाव में बिलकुल भी नहीं है। मैं अपने इस व्यवहार के माफी मांगता हूं।

पाकिस्तान पर दूसरे टेस्ट में धीमी ओवर गति के लिए लगा जुर्माना

केपटाउन। पाकिस्तान पर न्यूलैंड्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गये दूसरे टेस्ट में धीमी ओवर गति के कारण मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। पाकिस्तान को निर्धारित समय से पांच ओवर कम फेंकने का दोषी पाया गया। आईसीसी के नियमों के अनुसार पाकिस्तान के खाते से पांच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक काटे गये हैं। यह जुर्माना खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार है, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है। नियमों के अनुसार खिलाड़ियों पर उनके द्वारा निर्धारित समय में गेंदबाजी नहीं करने पर प्रत्येक ओवर के लिए मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की खेल शर्तों के अनुच्छेद 16.11.2 के अनुसार पांच डब्ल्यूटीसी अंक काटे गए। पाकिस्तान के कप्तान शान मसूद ने इसे स्वीकार कर लिया है।

अनाहत सिंह ने जीता ब्रिटिश जूनियर ओपन अंडर- 17 का खिताब

बर्मिंघम । भारत की अनाहत सिंह ने ब्रिटिश जूनियर ओपन 2025 स्क्वैश टूर्नामेंट के फाइनल में मिस्र की मलिका एल्काराक्सी को हराकर महिलाओं का अंडर-17 खिताब जीता।

बर्मिंघम विश्वविद्यालय के ग्लास कोर्ट में खेले गये मुकाबले शीर्ष वरीयता प्राप्त 16 वर्षीय भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी ने मिस्र की दूसरी वरीयता प्राप्त मलिका एल्काराक्सी को 3-2 (4-11, 11-9, 6-11, 11-5, 11-3) से हराया। इससे पहले अनाहत ने सेमीफाइनल में मिस्र की रुकैया सलेम को 4-1 (9-11, 11-6, 11-8, 11-6) से हराने पहले अंतिम आठ में मिस्र की नादिया टैमर पर 3-0 (11-6, 11-7, 11-7) से सीधी जीत दर्ज की थी।

ऑस्ट्रेलिया की डेविस कप टीम में शामिल हुए फिटनेस से जूझ रहे किर्गियोस

नई दिल्ली। पूर्व विंबलडन फाइनलिस्ट निक किर्गियोस को इस महीने के अंत में स्वीडन के खिलाफ होने वाले डेविस कप मुकाबले के लिए अप्रत्याशित रूप से ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया है। 29 वर्षीय खिलाड़ी को कप्तान लेटन हेविट ने दुनिया के आठवें नंबर के खिलाड़ी एलेक्स डी मिनौर, जॉर्डन थॉम्पसन और थानासी कोकिनाकिस के साथ 31 जनवरी और 1 फरवरी को स्टॉकहोम में होने वाले मुकाबले के लिए ऑस्ट्रेलियाई लाइन-अप में चुना है।

किर्गियोस को घुटने, पैर और कलाई की चोटों के कारण 2022 से फिटनेस के लिए संघर्ष करने के बावजूद चुना गया है, जबकि रविवार से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन में उनकी भागीदारी अनिश्चित बनी हुई है। पिछले सप्ताह ब्रिसबेन इंटरनेशनल से बाहर होने के बाद उन्होंने ग्रैंड स्लैम टेनिस के तनाव को संभालने की अपनी क्षमता पर संदेह जताया, जिसमें जियोवानी एमपेट्शी पेरीकार्ड से तीन सेटों में हार का सामना करना पड़ा। पिछले मिली हार के बाद उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मुझे लगभग चमत्कार की जरूरत है और मुझे अपनी कलाई को ग्रैंड स्लैम में टिकाए रखने के लिए सितारों की तरह सरेखित होने की जरूरत है। डेविस कप टीम में किर्गियोस के शामिल होने से वह कोकिनाकिस के साथ अपनी युगल साझेदारी को फिर से जीवंत कर सकते हैं, जिसके साथ उन्होंने तीन साल पहले ऑस्ट्रेलियन ओपन में पुरुष युगल खिताब जीता था। उन्होंने आखिरी बार नवंबर 2019 में डेविस कप खेला था और 2022 में विंबलडन के फाइनल में पहुंचे थे, जहां वह नोवाक जोकोविच से चार सेटों में हार गए थे।

हैमस्ट्रिंग सर्जरी के बाद पुनर्वास पर गए बायोनिक मैन बेन स्टोक्स

एजेंसी

नई दिल्ली। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने अपने बाएं हैमस्ट्रिंग की सर्जरी करवाने के बाद खुद को बायोनिक मैन बताया है। 33 वर्षीय स्टोक्स को दिसंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ इंग्लैंड के तीसरे टेस्ट के दौरान गेंदबाजी करते समय चोट की पुनरावृत्ति का सामना करना पड़ा, सबसे पहले अगस्त में मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के खिलाफ पुरुषों के हंड्रेड में नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स के लिए बल्लेबाजी करते समय उनकी हैमस्ट्रिंग फट गई थी। उस शुरुआती चोट के कारण वे दो महीने तक खेल से बाहर रहे, साथ ही श्रीलंका के खिलाफ इंग्लैंड की घरेलू टेस्ट सीरीज से चूक गए। बाद में उन्होंने स्वीकार किया कि पाकिस्तान और न्यूजीलैंड में टीम के शीतकालीन असाइनमेंट के लिए समय पर फिट होने की उनकी दौड़ ने उन्हें शारीरिक रूप से थका दिया और उनको नुकसान पहुंचा दिया हालांकि,

इंग्लैंड को मई में जिम्बाब्वे के दौरे तक कोई टेस्ट नहीं खेलना है, इसलिए स्टोक्स ने तीन महीने तक मैदान से बाहर रहने का फैसला किया है, जिसमें अगले महीने होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर रहना भी शामिल है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें वे सर्जरी के बाद कार की पिछली सीट पर लेटे हुए हैं, एक बड़ा लेग ब्रेस पहने हुए हैं और तकिए का सहारा लिए हुए हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, थोड़ी देर के लिए बायोनिक मैन, साथ में एक हंसी वाला इमोजी और साइन-ऑफ भी पोस्ट किया...। हैमिल्टन में चोट लगने से पहले स्टोक्स ने 36.2 ओवर फेंके थे, जो 2022 में ट्रेंट ब्रिज में 40 ओवर (न्यूजीलैंड के खिलाफ भी) के बाद से टेस्ट में उनकी सबसे अधिक गेंदबाजी है। टेस्ट के पहले दिन, उन्होंने 23 ओवर फेंके, जो एक दिन में उनके द्वारा फेंके गए सबसे अधिक ओवर थे, जिन्हें उन्होंने आठ, आठ और सात के स्पैल में विभाजित किया। अक्टूबर 2023 में घुटने की सफल सर्जरी के बाद इंग्लैंड के घरेलू समर में आने के बाद, उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों में 49 ओवर फेंके, जिसमें पांच विकेट लिए। हैमिल्टन टेस्ट से पहले उन्होंने कहा था, मुझे अपने काम को करने के लिए शारीरिक रूप से बहुत अधिक मेहनत करनी पड़ती है, लेकिन पिछले दो मैचों में मैंने काफी ओवर फेंके और मैं एक दिन में कई स्पैल खेलने को लेकर अधिक आश्वस्त हूं। मैं अपनी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव से पहले यहीं तक पहुंच गया था। मैंने गर्मियों में अच्छी गेंदबाजी की, एक झटका लगा, लेकिन अब मैं इससे उबर चुका हूं और आगे कुछ और होने की चिंता नहीं करता। जैसे-जैसे आप बड़े होते हैं, आप अपने शरीर के बारे में थोड़ा अधिक सोचते हैं, लेकिन मैं कड़ी मेहनत करता हूं क्योंकि मुझे ऐसा करना ही पड़ता है। चैंपियंस ट्रॉफी के अलावा, स्टोक्स को गुरुवार से शुरू होने वाले एसए20 में एमआई केपटाउन के साथ 800,000 पाउंड के आकर्षक सौदे को छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

सैकिया और भाटिया का बीसीसीआई सचिव और कोषाध्यक्ष के रूप में निर्विरोध चुना जाना तय

एजेंसी

नई दिल्ली। देवजीत सैकिया और प्रभतेज सिंह भाटिया 12 जनवरी को निर्विरोध बीसीसीआई सचिव और कोषाध्यक्ष चुने जाएंगे, क्योंकि चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की अंतिम सूची में केवल दो नाम ही शामिल हैं।चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की सूची बीसीसीआई के चुनाव अधिकारी और भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त अचल कुमार जोति ने तैयार की।नामांकन दाखिल करने की समयसीमा पिछले सप्ताह समाप्त हो गई थी, जबकि नामांकन वापस लेने की समयसीमा दोपहर 2 बजे समाप्त हो गई। चूंकि कोई नाम वापस नहीं लिया गया, इसलिए निर्वाचन अधिकारी ने मंगलवार शाम 5 बजे चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की सूची प्रकाशित की। चुनाव 12 जनवरी को बीसीसीआई की एसजीएम के दौरान होंगे और परिणाम, जो अब एक औपचारिकता है, उसी दिन घोषित किया जाएगा। जय शाह के 1 दिसंबर को आईसीसी चेयरमैन बनने के बाद से सैकिया बीसीसीआई के अंतरिम सचिव के

रूप में काम कर रहे हैं। भाटिया ने कोषाध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया था, क्योंकि यह पद आशीष शेलार के रिक्त होने के कारण रिक्त हुआ था, जिन्होंने हाल ही में महाराष्ट्र सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली है।

ईस्ट बंगाल एफसी ने वेनेजुएला के फारवर्ड रिचर्ड सेलिस के साथ किया करार

एजेंसी

कोलकाता। ईस्ट बंगाल एफसी ने मौजूदा सत्र के शेष भाग के लिए वेनेजुएला राष्ट्रीय टीम के फॉरवर्ड रिचर्ड एनरिक सेलिस सांचेज़ के साथ करार किया है। सेलिस, जिन्होंने आखिरी बार अक्टूबर 2024 में वेनेजुएला के शीर्ष डिवीजन में एकेडेमिया प्यूर्टो कैबेलो के लिए खेला था, इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) क्लब में अंतरराष्ट्रीय अनुभव का खजाना लेकर आए हैं। आईएसएल प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार हेड कोच ऑस्कर ब्रुज़न ने कहा, हमें उम्मीद है कि रिचर्ड की प्रतिभा, कौशल, प्रतिबद्धता और दृढ़ संकल्प ईस्ट बंगाल के मूल्यों को मूर्त रूप देंगे। हमें उम्मीद है कि वह एक महत्वपूर्ण प्रभाव डालेंगे क्योंकि हम तत्काल सफलता के लिए एक साथ प्रयास करते हैं।सेलिस एक बहुमुखी हमलावर है जो लेफ्ट विंगर और सेंटर-फ़ॉरवर्ड दोनों के रूप में खेल सकता है, उन्होंने वेनेजुएला में कई शीर्ष-स्तरीय क्लबों का प्रतिनिधित्व किया है जैसे एटलेटिको वेनेजुएला सीएफ, डेपोर्टिवो जेबीएल,

कराकास एफसी और एकेडेमिया प्यूर्टो कैबेलो, इसके अलावा कोलंबिया के मिलोनारियोस एफसी और स्लोवाकिया के एफके सेनिका। सेलिस ने अतीत में फीफा विश्व कप क्वालीफायर और कोपा अमेरिका में वेनेजुएला की राष्ट्रीय टीम का भी प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने घरेलू लीग और कोपा लिबर्टाडोरेस में 250 से अधिक शीर्ष स्तरीय क्लब मैचों में महत्वपूर्ण गोल किए हैं। सेलिस ने 2019 में काराकस को वेनेजुएला प्राइमेरा डिवीजन का खिताब जीतने और मिलोनारियोस के 2022 कोपा कोलंबिया अभियान को जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सेलिस ने ईस्ट बंगाल एफसी में शामिल होने को लेकर कहा, मैं ईस्ट बंगाल में शामिल होने के लिए रोमांचित हूं, यह एक ऐसा क्लब है, जिसका इतिहास इतना समृद्ध है और जिसके प्रशंसक बहुत भावुक हैं। यह मेरे करियर का एक नया अध्याय है और मैं भारतीय फुटबॉल में आने वाली चुनौतियों और अवसरों को अपनाने के लिए और इंतजार नहीं कर सकता। जॉय ईस्ट बंगाल!

राजस्थान स्टेट जूनियर अंतर ज़िला टीम स्पर्धा प्रतियोगिता जयपुर ने जीती

एजेंसी

उदयपुर। इन्द्रसिंह बारहठ स्मृति राजस्थान स्टेट जूनियर एवं अंतर ज़िला एवं ओपन टेनिस प्रतियोगिता जयपुर ने उदयपुर को हराकर जीता।

प्रतियोगिता के आयोजन सचिव डॉ. दीपांकर चक्रवर्ती ने बताया कि पहले एकल में जयपुर के प्रियांशु तंवर ने उदयपुर के निखिलेश भट्ट को 8-0 से हराया। दूसरी एकल प्रतियोगिता में उदयपुर के निखिलेश भट्ट ने जयपुर के जेसन जाट को 8-4 से हराया।

निर्णायक डबल्स में प्रियांशु तंवर एवं जेसन जाट की जोड़ी ने उदयपुर के नव्य भट्ट एंव निखिलेश भट्ट की जोड़ी को 7-6 के टाई ब्रेकर में हराकर जयपुर को जीत दिलायी।

इसके अतिरिक्त अन्डर-14 आयु वर्ग में जेसन जाट ने दिव्यम चौधरी को 8-5 से हराकर खिताब पर कब्जा किया। अन्डर-18 वर्ग में समिफाईनल में प्रियांश तंवर ने नव्य भट्ट को 8-3 से हराकर फाईनल में प्रवेश किया। दूसरे

सेमिफाईनल में सिरोही के नील भारद्वाज ने जयपुर के आर्यन कांकरवाल को 8-6 से पराजित का फाईनल में प्रवेश किया।

अन्डर-16 आयु वर्ग में निखिलेश भट्ट ने हर्षिल मेवाड़ा को हराकर फाईनल में प्रवेश किया। डॉ.. चक्रवर्ती ने बताया कि सभी फाईनल बुधवार को राजस्थान कृषि महाविद्यालय के टेनिस कोर्ट पर खेले जायेंगे एवं सभी विजेता एवं उप विजेता खिलाड़ियों को नगद पुरस्कार प्रदान किये जायेंगे।

खो खो विश्व कप 2025: नई दिल्ली में पहले संस्करण की मेजबानी को भारत तैयार

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में होने जा रहे पहले खो-खो विश्व कप के लिए सारी तैयारियां पूरी हो गई हैं। इस बीच आज, खो खो विश्वकप का कार्यक्रम भी घोषित किया गया। इस महाकुंभ का आयोजन 13 जनवरी से 19 जनवरी तक होगा। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा समर्थित खो-खो प्रतियोगिता के पहले संस्करण में 20 पुरुष और 19 महिला टीमें शामिल होंगी। खास बात यह है कि इस प्रतियोगिता को देखने के लिए मुफ्त टिकट की व्यवस्था है, हालांकि टिकट ऑनलाइन बुक करना होगा। दिल्ली के आईटीओ स्थित इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित होने वाले इस विश्वकप में छह महाद्वीपों के 24 देश शिरकत करेंगे। इसमें पुरुषों की 20 टीमें और

महिलाओं की 19 टीमें प्रतिभाग करेंगी। एशिया की टीमों में भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश की टीमें प्रमुख रूप से शामिल हो रही हैं। 13 जनवरी से 16 जनवरी तक लीग मुकाबले खेले जाएंगे। जबकि क्वार्टरफाइनल मैच 17 जनवरी को, सेमीफाइनल मुकाबला 18 जनवरी को और 19 जनवरी को फाइनल मैच खेला जाएगा। खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने बताया कि खिलाड़ियों के ठहरने के लिए खेल गांव बसाने की भी योजना है, ताकि देश-विदेश में इस खेल की चर्चा हो सके। विश्व कप में दो शानदार ट्रॉफी होंगी। पुरुषों की चैंपियनशिप के लिए चमकदार नीली ट्रॉफी तैयार की गई है और महिलाओं के लिए हरी ट्रॉफी, जो गतिशील भावना को दर्शाता है। नीली ट्रॉफी विश्वास, दृढ़ संकल्प और सार्वभौमिक अपील का प्रतीक है, जबकि हरी ट्रॉफी विकास और जीवन शक्ति का प्रतीक है। सुधांशु मित्तल ने मीडिया से बातचीत में बताया कि वर्ल्ड कप भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। इस विश्व कप का आयोजन खो-खो को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान दिलाने के लिए किया जा रहा है, ताकि इस खेल को ओलंपिक्स में शामिल कराया जा सके।

ट्यूरिन में होने वाले शीतकालीन यूनिवर्सियाड में 48 एथलीट भेजेगा चीन

एजेंसी

बीजिंग। चीन ने इटली के ट्यूरिन में होने वाले 2025 एफआईएसयू शीतकालीन विश्व विश्वविद्यालय खेलों के लिए आधिकारिक तौर पर अपने प्रतिनिधिमंडल की घोषणा की। 84 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में 13 विश्वविद्यालयों के 48 एथलीट शामिल हैं, जो अल्पाइन स्कीइंग, क्रॉस-कंट्री स्कीइंग, स्नोबोर्डिंग, स्की पर्वतारोहण, कर्लिंग और शॉर्ट ट्रैक स्पीड स्केटिंग में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

एथलीटों की औसत आयु 22 वर्ष है, जिनमें से 45 विश्व बहु-खेल आयोजन में अपनी शुरुआत कर रहे हैं। तैयारी में, चीन विश्वविद्यालय खेल महासंघ ने चयन कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की है। प्रशिक्षण शिविर वर्तमान में बीजिंग और पूर्वोत्तर चीन के जिलिन प्रांत में चल रहे हैं। चीनी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख लियू लिक्सिन ने उम्मीद जताई कि एथलीट वैश्विक मंच पर चीन की युवा पीढ़ी की सकारात्मक छवि का प्रदर्शन करेंगे, दुनिया भर के युवाओं के साथ अंतरराष्ट्रीय मित्रता का निर्माण करेंगे और भाग लेने वाली टीमों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देंगे।11 खेलों वाले शीतकालीन यूनिवर्सियाड का आयोजन 13 से 23 जनवरी तक ट्यूरिन में किया जाएगा, जिसमें 55 देशों और क्षेत्रों से 2,600 से अधिक एथलीट और अधिकारी भाग लेंगे।

बीसीसीआई को मेल भेजकर उपाध्यक्ष को पद से हटाने की मांग

एजेंसी

कानपुर। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) को लेकर इन दिनों शिकायतों की बाढ़ सी आ गई है। अब यूपीसीए समेत बीसीसीआई में बीते कई सालों से विभिन्न पदों पर आसीन रहे पूर्व सचिव और वर्तमान उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला को उनके पद से विरक्त करने के लिए ई मेल के माध्यम से प्रार्थना पत्र भेजा गया है। माना जा रहा है कि लोढा समिति की सिफारिशों की अवमानना कर रहे यूपीसीए के पूर्व सचिव और उपाध्यक्ष को बीसीसीआई की कार्यालय पदाधिकारियों की समिति से बाहर करने के लिए अब पत्राचार व मेल की बाढ़ सी आ गयी है। अबकी बार ई मेल अलीगढ़ क्रिकेट से जुड़े एक पूर्व पदाधिकारी ने बीसीसीआई के सचिव को नियुक्त किया है। यूपीसीए के पूर्व सचिव पर शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि वह बीते कई सालों से पहले प्रदेश क्रिकेट संघ के सर्वे-सर्वा पद रहे। इसके बाद वह आजीवन सदस्य के रुप में प्रदेश की ओर से बोर्ड में अपनी उपस्थिति बरकरार रखे हुए हैं जो कि लोढा समिति की सिफारिशों का अक्षरशः उल्लंघन माना जा रहा है। यही नहीं वह बोर्ड में उपाध्यक्ष के तौर पर भी अपनी सेवाऐं लगभग एक वर्ष पहले ही समाप्त कर चुके हैं। इसके बावजूद भी वह उस पद पर कैसे टिके हैं? संघ के कुछ पूर्व असन्तुष्ट सदस्यों ने पहले भी उनको प्रार्थना पत्र भेजा है। इस बार शिकायतों का पुलिन्दा और मुद्दा अधिक और बेहद ही गम्भीर है। उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ के पूर्व सचिव और भारतीय क्रिकेट कन्ट्रोल बोर्ड के दो बार उपाध्यक्ष रह चुके राजीव शुक्ला को उनके पद से मुक्त करने के लिए क्रिकेट समर्थक ने बोर्ड के नव नियुक्त सचिव को प्रार्थना पत्र भेजा है। शिकायतकर्ता ने यह भी मांग की है कि यदि राजीव शुक्ला बतौर उपाध्यक्ष आगामी विशेष आम सभा जो कि 12 जनवरी 2025 को आहूत होनी है, उसमें शामिल होते हैं तो शिकायतकर्ता को सर्वोच्च न्यायालय की शरण में जाने के लिए विवश होना पड़ेगा। शिकायतकर्ता सर्वोच्च न्यायालय से उनके चुनाव और विशेष आम सभा रद्द करवाने की भी मांग उठाऐंगे, क्योंकि यह सर्वोच्च न्यायालय एंव बोर्ड के आदे?शों की अवहेलना करते नजर आ रहें है। उन्होंने बीसीसीआई सचिव को उन नियमों का उल्लंघन करने की शिकायत भी दर्ज करवायी है जिससे नियम 3(बी)(1)(1) और बीसीसीआई नियम 6(5)(0) के तहत राजीव शुक्ला को अयोग्य घोषित किया जा सकता है।

आईएसएल: मुंबई सिटी एफसी ने ईस्ट बंगाल एफसी को 3-2 से हराया

एजेंसी

कोलकाता । मुंबई सिटी एफसी ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के रोमांचक मुकाबले

में ईस्ट बंगाल एफसी को 3-2 से हराया। विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में सोमवार रात खेले गये मैच में मुंबई सिटी एफसी ने पहले हाफ में आक्रामक खेल का शानदार प्रदर्शन कर शुरुआती 45 मिनट में ईस्ट बंगाल एफसी के बॉक्स के अंदर 12 बार प्रवेश किया। मुम्बई सिटी के लिए एल छंगटे ने 39वें मिनट में गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके चार मिनट बाद निकोस करेलिस ने 43वें मिनट में गोलकर बढ़त को दोगुना कर दिया। ईस्ट बंगाल के लिए साहिल पनवर ने 66वें मिनट में गोल किया। इसके बाद डेविड लाहलंसांगा ने कॉर्नर किक के जरिए 83वें मिनट में गोलकर स्कोर को 2-2 से बराबर कर दिया। 87वें मिनट में मुम्बई सिटी के निकोसल करेलिस ने गोल कर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। मैच में यह करेलिस का दूसरा गोल था।

दिव्यांग चैम्पियनशिप ट्रॉफी: विदाई समारोह में डीसीसीआई और स्वयं संस्था ने भारतीय टीम को दी शुभकामनाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय दिव्यांग क्रिकेट परिषद (डीसीसीआई) ने अग्रणी पहुंच संगठन स्वयं के सहयोग से 12 से 21 तारीख तक श्रीलंका में आयोजित होने वाली दिव्यांग क्रिकेट चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भाग लेने के लिए चुनी गई भारतीय टीम के लिए एक विदाई समारोह की मेजबानी की। राष्ट्रीय राजधानी में जनपथ स्थित द इंपीरियल होटल में आयोजित कार्यक्रम में डीडीसीए के अध्यक्ष रोहन जेटली, स्वयं संस्था की अध्यक्ष स्मिनु जिंदल, डीसीसीआई अधिकारी, खिलाड़ी और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। राजस्थान के पूर्व रणजी कप्तान और मुख्य कोच रोहित झालानी के नेतृत्व में जयपुर में एक कठिन प्रशिक्षण शिविर के बाद 17 खिलाड़ियों वाली भारतीय टीम का चयन किया गया है। इस टूर्नामेंट में इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान जैसी मजबूत टीमें भी हैं। डीसीसीआई के महासचिव रविकांत चौहान ने कहा, कठिन चयन प्रक्रिया

के बाद टीम को एक साथ रखा गया है। हमें विश्वास है कि यह टीम टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करेगी और भारत का नाम रोशन करेगी। एक संगठन के रूप में डीसीसीआई कई वर्षों से दिव्यांग क्रिकेटरों का पोषण कर रहा है और हमेशा उभरती प्रतिभाओं के लिए एक मंच प्रदान करने का प्रयास किया है। इस मौके पर डीडीसीए के अध्यक्ष रोहन जेटली ने कहा, मैं उन क्रिकेटरों को बधाई देता हूं जिन्हें श्रीलंका में पीडी चैंपियंस ट्रॉफी में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। प्रत्येक खिलाड़ी ने टीम में जगह सुरक्षित करने के लिए बहुत मेहनत की है और इसलिए मैं सभी एथलीटों से यात्रा का आनंद लेने का आग्रह करता हूं ।

हैंडबॉल : भारत को हराकर उज़्बेकिस्तान की यूथ टीम ने जीता खिताब

एजेंसी

लखनऊ। उज्बेकिस्तान की यूथ अंडर-18 टीम ने आईएचएफ ट्रॉफी पुरुष यूथ व जूनियर हैंडबॉल (कांटिनेंटल फेज-एशिया) का खिताब मेजबान भारत को 47-23 से हराकर जीता। जूनियर अंडर-20 के फाइनल में भी उज्बेकिस्तान ने जीत दर्ज की, जिसने कजाखिस्तान को 38-18 से हराया। चैम्पियनशिप की यूथ व जूनियर विजेता टीम अब इंटरकांटिनेंटल फेज में चुनौती पेश करेगी। केडी सिंह बाबू स्टेडियम के नवनिर्मित भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी बहुउद्देश्यीय हाल में आयोजित चैम्पियनशिप में भारत की यूथ टीम उपविजेता रही जबकि जूनियर टीम ने कांस्य पदक अपने नाम किया। चैम्पियनशिप के समापन समाराह में अतिथिगण के.रविंद्र नायक (आईएएस, प्रमुख सचिव , सचिवालय प्रशासन), वीके सिंह (आईपीएस, अपर पुलिस महानिदेशक), सुहास एल वाई (आईएएस, सचिव खेल, उत्तर प्रदेश शासन) व विराज सागर दास (अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन) ने विजेता व उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के कार्यकारी निदेशक डा.आनन्देश्वर पाण्डेय ने भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी बहुउद्देश्यीय हाल के निर्माण की सराहना करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार निर्मित इस क्रीड़ा संकुल के होने के चलते ही लखनऊ में यह आयोजन किया जा सका। इस बड़ी पहल के लिए मैं उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदशन व खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव के प्रयासों की सराहना करता हूं। उन्होंने बताया कि इस हाल का निर्माण उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड इकाई 21 के प्रोजेक्ट मैनेजर पीके जैन के निर्देशन में उच्च गुणवत्ता के साथ बहुत कम समय में पूरा कराया गया। अंत में हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के महासचिव डा.तेजराज सिंह ने उपस्थित अतिथिगण व प्रतिभागी खिलाड़ियों का आभार जताया। समापन समारोह में आईएचएफ से टेक्निकल डेलीगेट यूएई से सालेह मोहम्मद सईद, हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के कोषाध्यक्ष विनय कुमार सिंह, उत्तर प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन के सचिव डा.सुधर्मा सिंह, उत्तर प्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन के आयोजन सचिव अमित पाण्डेय, लखनऊ हैंडबॉल एसोसिएशन के सचिव डा.सुमंत पाण्डेय सहित अन्य पदाधिकारीगण व खेल प्रेमी मौजूद थे आज यूथ वर्ग के फाइनल में भारत के खिलाफ शुरू से ही उज्बेकिस्तान ने अटैकिंग गेम दिखाया और लगातार गोल दागते हुए अपनी मजबूत पकड़ बनाये रखी।

उज्बेक खिलाड़ियों ने अनुभव व फुर्ती के सहारे पहले हॉफ में मेजबान के खिलाफ 25-13 से बढ़त बना ली। भारतीय खिलाड़ियों ने कई मौको पर आक्रामक खेल दिखाया लेकिन मिले मौकों को वो भुना नहीं सके। इसके चलते उज्बेक खिलाड़ियो ने अंतर बढ़ाते हुए 47-23 से जीत हासिल की। विजेता टीम से योरकुलोव ने 9, तुर्गुनोव कुवोंचबेक ने 7, सफारोव ने 8 व अब्दुकरिमोव ने 6 गोल किए। भारत की ओर से रवि ने 7, अंशु व प्रवीण गिल ने 5-5, जबकि मनीष यादव ने 4 व सुयश अवस्थी ने 2 गोल किए। जूनियर वर्ग के फाइनल में उज्बेकिस्तान ने कजाखिस्तान को 38-18 से हराया। मध्यांतर तक उज्बेकिस्तान 17-6 से आगे था। उज्बेकिस्तान से एशंकुलोव जलोलिद्दीन ने 8, राखत जोल्दास्बाएव ने 6 व रहिमोव ने 5 गोल किए। कजाखिस्तान से मिखाइल सालमोव व अज़ीज़ान रकीमज़ानोव ने 5-5 गोल किए। इससे पूर्व तीसरे स्थान के मैच में भारतीय जूनियर अंडर-20 टीम ने बांग्लादेश को 40-24 से हराकर कांस्य पदक जीता। भारत मध्यांतर तक 17-9 से आगे था।

शाओमी इंडिया ने रेडमी 14सी 5जी को बाज़ार में उतारा

एजेंसी

जयपुर। स्मार्टफोन ब्रांड शाओमी इंडिया ने बजट स्मार्टफोन सेगमेंट में इनोवेशन के मायने को बदलते हुए रेडमी 14सी 5जी के ग्लोबल लॉन्च की घोषणा की हैं। कंपनी ने यहां मीडिया को बताया कि रेडमी14सी 5जी को बाज़ार में उतारा हैं और यह दस जनवरी से एमआईडाटकाम, अमेजनडाटइन, फ्लीपकार्ट और अधिकृत शाओमी रिटेल पार्टनर्स पर उपलब्ध होगा। 4जीबी प्लस 64जीबी वेरिएंट की कीमत 9999 रुपये, 4जीबी प्लस 128जीबी वेरिएंट की कीमत 10 हजार 999 रुपये और जीबी प्लस 128जीबी वैरिएंट के लिए 11 हजार 999 रुपए होगी। रेडमी 14सी भारतीय ग्राहकों की लगातार बदल रही जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार है, जिसे अत्याधुनिक फीचर्स और उम्दा परफॉरमेंस के साथ 5जी कनेक्टिविटी की सुविधा प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। रेडमी नोट 14 5जी सीरीज़ की सफलता रेडमी 14सी 5जी के लॉन्च को और भी शानदार बनाती हैं, जिसने भारत में सिर्फ़ दो हफ़्तों में एक हजार करोड़ का राजस्व प्राप्त करके बेमिसाल उपलब्धि हासिल की है जो ब्रांड पर ग्राहकों के अटूट भरोसे और प्यार को दर्शाता है।रेडमी 14सी 5जी खूबसूरती और इनोवेशन का बेजोड़ संगम है। इसमें 600 निट्स की अधिकतम ब्राइटनेस के साथ 17.5 सेमी (6.88 इंच) का एचडी प्लस डॉट ड्रॉप डिस्प्ले लगाया गया है जो स्ट्रीमिंग, गेमिंग या ब्राउज़िंग के दौरान जीवंत और तल्लीनता से देखने का अनुभव प्रदान करता है। इस डिवाइस में 4एनएम आर्किटेक्चर पर बना स्नैपड्रगन 4 जेन 2 5जी प्रोसेसर लगाया गया है जो बेहतर कार्यक्षमता और प्रदर्शन सुनिश्चित करता है।

पाम ऑयल सस्ता, दालों में मिलाजुला रुख

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों की गिरावट के दबाव में आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में पाम ऑयल 366 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हो गया जबकि दालों में मिलेजुला रुख रहा वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में जनवरी का पाम ऑयल वायदा पांच रिंगिट फिसलकर 4685 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह जनवरी का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.05 सेंट की गिरावट के साथ 40.38 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में पाम ऑयल में 366 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट को छोड़कर अन्य खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे। दाल-दलहन :दाल-दलहन के बाजार में मिलाजुला रुख रहा। मसूर दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल उतर गया जबकि अरहर दाल में 100 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी रही। वहीं, चना, दाल चना, मसूर दाल और उड़द दाल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले दिवस के स्तर पर स्थिर रही। अनाजः अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

घरों की बिक्री 12 साल के उच्चतम स्तर पर, 2024 में बिके 350,000 से अधिक घरः नाइट फ्रैंक इंडिया

मुंबई। भारत में अचल संम्पत्ति बाजार के रुझानों पर नाइट फ्रैंक इंडिया की मंगलवार को रिपोर्ट 'इंडिया रियल एस्टेट- रेजिडेंशियल एंड ऑफिस' (जुलाई-दिसंबर 2024) के अनुसार इस वर्ष देश के आठ प्रमुख शहरों में घरों की बिक्री सालाना स्तर पर सात प्रतिशत की वृद्धि के साथ 12 साल के उच्चतम स्तर 3,50,613 इकाइयों पर पहुंच गई है। वर्ष के दौरान हैदराबाद और पुणे में यह बिक्री सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर रही, जबकि मुंबई में 96,187 इकाइयों की बिक्री हुई, जो पिछले 13 वर्षों का रिकॉर्ड है। मुंबई का देशभर की कुल बिक्री में 27 प्रतिशत योगदान रहा। इस दौरान एनसीआर-दिल्ली में घरों की बिक्री में थोड़ी गिरावट देखने को मिली। वर्ष 2024 में यहां चार प्रतिशत सालाना गिरावट दर्ज की गई। दो से पांच करोड़ के मकानों की बाजार ने शानदार बढ़त दर्ज की है। इस खंड में वृद्धि सालाना स्तर पर 85 प्रतिशत रही। इस दौरान हालांकि कम कीमत वाले (50 लाख रुपये से कम के और 50 लाख-एक करोड़ रुपये तक के) बाजार खंड में बिक्री में थोड़ी गिरावट आई है।

एनएसडीसी और एक्सिस माई इंडिया की साझेदारी

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) ने कौशल मांग और आपूर्ति के बीच के अंतराल को रणनीतिक रूप से कम करने और वंचित क्षेत्रों में कौशल विकास को प्रोत्साहित करने के लिए उपभोक्ता इंटेलिजेंस कंपनी एक्सिस माई इंडिया के साथ साझेदारी की है। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि इस साझेदारी का उद्देश्य उद्योगों की आवश्यकताओं और वंचित समुदायों की भागीदारी को ध्यान में रखते हुए कौशल अंतराल का आकलन करना, कौशल विकास कार्यक्रमों के लाभार्थियों की रोजगार क्षमता, आय सृजन और सामाजिक-आर्थिक सुधार का मूल्यांकन करना, व्यापक सर्वेक्षण और शोध के माध्यम से प्रासंगिक डेटा एकत्र करना और इसे कौशल विकास की दिशा में उपयोग करना तथा विभिन्न कार्यक्रमों की कार्यक्षमता और प्रभाव को सुनिश्चित करना है। एनएसडीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और एनएसडीसी इंटरनेशनल के प्रबंध निदेशक वेदमणि तिवारी ने कहा, एक्सिस माई इंडिया के साथ यह साझेदारी हमारी कौशल विकास पहलों को मजबूत बनाएगी और हमें वंचित क्षेत्रों में अधिक समावेशी और प्रभावशाली कार्यक्रम लागू करने में मदद करेगी।

केंद्रीय मंत्री मंडाविया ने ई-श्रम पोर्टल पर बहुभाषी कार्यक्षमता का शुभारंभ किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान ई-श्रम पोर्टल पर बहुभाषी कार्यक्षमता का शुभारंभ किया। ई-श्रम पोर्टल अब सभी 22 अनुसूचित भाषाओं में उपलब्ध होगा।

केंद्रीय मंत्री ने इस अवसर पर अपने संबोधन में सभी असंगठित श्रमिकों से उनके कल्याण, आजीविका और खुशहाली के लिए बनाई गई विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण करने का आग्रह किया। मंडाविया ने ई-श्रम प्लेटफॉर्म में बढ़ते भरोसे पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पोर्टल पर असंगठित श्रमिकों द्वारा प्रतिदिन औसतन 30 हजार से अधिक पंजीकरण दर्ज किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि ई-श्रम को भाषिनी के

साथ एकीकृत करने की शुरुआत से 22 भारतीय भाषाओं में ई-श्रम सेवाओं तक निर्बाध पहुंच सुनिश्चित हुई है। ये पहल भाषा संबंधी बाधाओं को तोड़ती है और असंगठित श्रमिकों को आसानी से पंजीकरण करने, जानकारी अपडेट करने और अपनी पसंदीदा भाषा में विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं तक पहुंचने में सक्षम बनाती है। ये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सभी के लिए समावेशी और सुलभ डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म बनाने की दिशा में हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। मंत्रालय के मुताबिक ई-श्रम को 'वन-स्टॉप-सॉल्यूशन' बनाने के दृष्टिकोण के अनुरूप ये पोर्टल अब सभी 22 अनुसूचित भाषाओं में उपलब्ध होगा। पिछला संस्करण केवल अंग्रेजी, हिंदी, कन्नड़ और मराठी में उपलब्ध था। इस कार्यक्रम में श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के सचिव तथा कई वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। मंत्रालय ने कहा कि देश में असंगठित श्रमिकों को व्यापक सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के सरकार के प्रयासों में यह एक और मील का पत्थर साबित हुआ है।

चिराग पासवान इंडसफूड 2025 के 8वें संस्करण का करेंगे उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान गौतमबुद्ध नगर जिला के ग्रेटर नोएडा में स्थित इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड (आईईएमएल) में इंडसफूड 2025 के 8वें संस्करण का उद्घाटन करेंगे। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के मुताबिक इस बार इंडसफूड 2025 में 30 से अधिक देशों के 2300 प्रदर्शक भाग लेंगे। इस बार 120 हजार वर्ग मीटर से अधिक प्रदर्शनी स्थल होगा। इस बार एकीकृत व्यापार मेले में 7,500 से अधिक अंतरराष्ट्रीय खरीदार तथा 15 हजार भारतीय खरीदार यानी व्यापार आगंतुक भाग लेंगे, जिनके शो के दौरान उपस्थित रहने की उम्मीद है। इंडसफूड एशिया की प्रमुख वार्षिक एफ एंड बी व्यापार प्रदर्शनी है, जिसे भारत सरकार के वाणिज्य विभाग के सहयोग से भारतीय व्यापार संवर्धन परिषद की ओर से आयोजित किया जाता है। यह प्रदर्शनी 2025 में एक और मील का पत्थर स्थापित करने के लिए तैयार है। एक एकीकृत फार्म-टू-फोर्क व्यापार शो के रूप में अपनी शुरुआत करेगा।

सर्राफा बाजार में महंगी हुई चांदी, सोने में सपाट स्तर पर कारोबार

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना आज बिना किसी बदलाव के सपाट स्तर पर कारोबार कर रहा है। हालांकि चांदी के भाव में आज 1 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आई है। सोने के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 78,860 रुपये से लेकर 78,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 72,300 रुपये से लेकर 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में आज तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 92,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज भी 78,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 72,300 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 78,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24

कैरेट सोने की रिटेल कीमत 78,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,200 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 78,710 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 78,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 78,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 72,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 78,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 72,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 78,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इस्पात मंत्रालय ने उद्योग में एआई की परिवर्तनकारी भूमिका प्रदर्शित करने वाला कार्यक्रम किया आयोजित

एजेंसी

नई दिल्ली। इस्पात मंत्रालय ने सोमवार को नई दिल्ली में इस्पात उद्योग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग नामक एक प्रमुख कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य इस्पात क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की परिवर्तनकारी क्षमता का पता लगाना था, जिसमें दक्षता, स्थिरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के लिए मूल्य श्रृंखला में इसके अनुप्रयोग पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस्पात मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि इस कार्यक्रम में उद्योग जगत के नेता, एआई विशेषज्ञ और नीति निर्माता विचारों का आदान-प्रदान करने, अंतर्दृष्टि साझा करने और इस्पात उद्योग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अनुप्रयोग में प्रगति का पता लगाने के लिए एक साथ आए। एमडी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और मुख्य सूचना अधिकारी हसमुख रंजन ने इस्पात निर्माण में एआई की क्रांतिकारी क्षमताओं और उद्योग में एआई के उपयोग के दायरे पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की।

उन्होंने कहा, एआई हमारी नवाचार यात्रा के मूल में है, जो परिचालन दक्षता को बढ़ाने और प्रभावशाली परिणाम देने वाले बुद्धिमत्ता कोई दूर की भविष्य की अवधारणा नहीं है, बल्कि एक वर्तमान वास्तविकता है जो इस्पात उत्पादन की नींव को नए सिरे से परिभाषित कर रही है। गौरतलब है कि यह कार्यक्रम इस्पात

परिवर्तनकारी समाधानों को आगे बढ़ाता है। इस अवसर पर इस्पात मंत्रालय के सचिव संदीप पौंड्रिक ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि, कृत्रिम मंत्रालय की तकनीकी प्रगति को अपनाने तथा सेल जैसी कंपनियों को एक लचीला और टिकाऊ भविष्य बनाने में सहायता करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

देश की अर्थव्यवस्था मौजूदा वित्त वर्ष में 6.4 फीसदी की दर से बढ़ेगीः एनएसओ

एजेंसी

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष 2024-25 में देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.4 फीसदी रहने का अनुमान है। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में देश की अर्थव्यवस्था 8.2 फीसदी की दर से बढ़ी थी। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए राष्ट्रीय आय का पहला अग्रिम अनुमान जारी किया। इसमें बताया गया है कि वास्तविक जीडीपी इस वित्त वर्ष में 6.4 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान है। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए जीडीपी वृद्धि दर का अस्थायी अनुमान 8.2 फीसदी रहने की बात कही गई है। ऐसे में जीडीपी ग्रोथ बीते चार साल मे पहली बार 7 फीसदी से नीचे आ सकती है। एनएसओ का चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के अनुमान से कम है। रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 में देश की जीडीपी 6.6 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान जताया है। हालांकि, वित्त वर्ष 2022-23 से सालाना ग्रोथ रेट 7

फीसदी से ऊपर ही बनी हुई है। एनएसओ की वृद्धि दर का यह अनुमान पिछले वित्त वर्ष की विकास दर की तुलना में काफी कम है। उल्लेखनीय है कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में देश की जीडीपी 6.7 फीसदी की दर से बढ़ने के बाद दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में अर्थव्यवस्था 5.4 फीसदी की दर से बढ़ी है, जो अपेक्षा से कम है। एनएसओ ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए जीडीपी के पहले अग्रिम अनुमान को स्थिर (2011-12) और वर्तमान मूल्यों पर जारी किया है।

भारत में कलाउड-एआई बिजनेस में तीन अरब डॉलर का निवेश करेगी माइक्रोसॉफ्ट

एजेंसी

बेंगलुरु/नई दिल्ली। अमेरिका की दिग्गज सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट भारत में क्लाउड और कृत्रिम मेधा (एआई) बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए तीन अरब डॉलर (25,722 करोड़ रुपये) का निवेश करेगी।

माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सीईओ सत्य नडेला ने इसकी घोषणा की है। नडेला ने कहा कि देश के एआई परिवर्तन में तेजी लाने में मदद करने के लिए भारत में एआई बुनियादी ढांचे और कौशल में हमारे नए निवेश की घोषणा करते हुए रोमांचित हैं। सीईओ सत्य नडेला ने बेंगलुरु में माइक्रोसॉफ्ट एआई टूर के मंच से कहा कि माइक्रोसॉफ्ट अगले दो साल में भारत में क्लाउड और एआई इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 3 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश

करेगा। इसमें नए डेटा सेंटर की स्थापना और भारत में एआई इनोवेशन को गति देना शामिल होगा। माइक्रोसॉफ्ट ने 2030 तक 10 मिलियन लोगों को प्रशिक्षित और कुशल बनाने के लिए एक व्यापक योजना साझा की, जिससे प्रौद्योगिकी पर भारत के साथ साझेदारी करने की उसकी प्रतिबद्धता मजबूत हुई।

माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्?य नडेला ने एक दिन पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की थी। इस मुलाकात का जिक्र उन्होंने अपने 'एक्स' पोस्ट पर भी किया है। नडेला ने प्रधानमंत्री को धन्यवाद देते हुए लिखा, भारत को एआईप्रथम बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाने और देश में अपने निरंतर विस्तार पर मिलकर काम करने के लिए उत्साहित हूं, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इस एआई प्?लेटफॉर्म बदलाव से हर भारतीय को लाभ मिले।

क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक का आईपीओ खुला, निवेशक 9 जनवरी तक लगा सकेंगे बोली

एजेंसी

नई दिल्ली। रेलवे सुरक्षा कवच बनाने वाली कंपनी क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए खुल गया। कंपनी ने इसके लिए मूल्?य दायरा (प्राइस बैंड) 275-290 रुपये प्रति शेयर तय किया है। इस इश्?यू के जरिए कंपनी की योजना 290 करोड़ जुटाने की है। कंपनी के शेयर 14 जनवरी को बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर लिस्ट होंगे।

क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक लिमिटेड के मुताबिक इस इश्?यू में निवेशक 9 जनवरी तक मिनिमम 50 इक्विटी शेयर या उसके मल्टीपल गुणक में बोलियां लगा सकते हैं। खुदरा निवेशक के लिए न्यूनतम निवेश राशि 14 हजार 500 रुपये है। ये आईपीओ पूरी तरह से 290 करोड़

रुपये का एक फ्रेश इश्यू है, जिसमें ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) जैसी कोई पेशकश नहीं है। कंपनी इश्यू से मिलने वाले फंड में से 149.72 करोड़ रुपये का इस्तेमाल लॉन्ग टर्म वर्किंग कैपिटल जरूरतों की फंडिंग के लिए करेगी। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम के विकास लिए 24.37 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। कंपनी 23.61 करोड़ रुपये वर्किंग कैपिटल अवधि ऋण के सभी या आंशिक हिस्से का पूर्व भुगतान और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य को पूरा करने के लिए करेगी। क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक लिमिटेड रिसर्च बेस्ड कंपनी है। यह भारतीय रेलवे के लिए न्यू जनरेशन के ट्रेन नियंत्रण और सिग्नलिंग सिस्टम तैयार करती है।

ये सिस्टम रेल यात्रियों को हाईएस्ट लेवल की सुरक्षा और विश्वसनीयता प्रदान करता है। इसके साथ ही इलेक्ट्रॉन बीम विकिरण केंद्र के साथ एक विशेष केबल विनिर्माण सुविधा भी प्रोवाइड करता है। कंपनी के प्रमोटर मोहित वोहरा, अमित धवन, अमृत सिंह रंधावा, रूपिंदर सिंह, विशेष अबरोल और विवेक अबरोल, एक जोत सिंह और राजबीर सिंह रंधावा हैं।

लिस्टिंग के जरिए 2 कंपनियों ने स्टॉक मार्केट में की एंट्री, फीकी शुरुआत के बाद आई तेजी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज दो कंपनियां ने अपने शेयरों की लिस्टिंग के जरिए दस्तक दी। इनमें एक कंपनी मेनबोर्ड सेगमेंट की है, जबकि दूसरी ओर कंपनी एसएमई सेगमेंट की है। दोनों शेयर आज मामूली प्रीमियम के साथ लिस्ट हुए लेकिन बाद में खरीदारी के सपोर्ट से दोनों में तेजी आ गई। ट्रैक्टर और क्रेन बनाने वाली कंपनी इंडो फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड के शेयर आज बीएसई में 20 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 258.40 रुपये के स्तर पर और एनएसई में 19 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 256 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। आईपीओ के तहत कंपनी ने 215 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी ही देर में ये शेयर उछल कर 287 रुपये के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस शेयर की चाल में मामूली गिरावट भी आई। सुबह 11 बजे तक के कारोबार के बाद कंपनी के शेयर 282.52 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह आईपीओ निवेशकों को अभी तक के कारोबार में ही 31.08 प्रतिशत का फायदा हो चुका है।इंडो फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड का 260.15 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू 31 दिसंबर से 2 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। ये इश्यू कुल 227.67 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 242.40 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 501.75 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 101.79 गुना सब्सक्राइब हुआ था। आज ही कई तरह के केमिकल पिगमेंट और डाई इंटरमीडिएट्स का उत्पादन करने वाली कंपनी टेक्निकेम ऑर्गेनिक्स लिमिटेड के शेयर बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 4 प्रतिशत के मामूली प्रीमियम के साथ लिस्ट हुए। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 55 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे, लेकिन आज इसकी लिस्टिंग 57.25 रुपये के स्तर पर हुई। निराशाजनक लिस्टिंग के बावजूद खरीदारों ने इस शेयर को हाथों हाथ लिया, जिसकी वजह से थोड़ी ही देर में इस शेयर की चाल में तेजी आ गई।

महाराष्ट्र में चार पहिया वाहनों के लिए फास्टैग होगा अनिवार्य

मुंबई। महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने राज्य में एक अप्रैल से सभी चार पहिया वाहनों के लिए फास्टैग अनिवार्य करने का फैसला किया। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने यहां इसकी घोषणा की।बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस

ने की। श्री शिंदे ने कहा कि इस फैसले से ट्रैफिक जाम से होने वाले समय और ईंधन की बचत होगी।

यदि फास्टैग काम नहीं कर रहा है, तो वाहन मालिक को रोड टैक्स की दोगुनी राशि का भुगतान करना होगा। इसी तरह सड़क टोल का भुगतान नकद, स्मार्ट कार्ड, क्रेडिट डेबिट कार्ड या कोड या किसी अन्य माध्यम से करने पर भी दोगुना टोल देना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि राज्य में महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम (एमएसआरडीसी) के 50 टोल बूथ और लोक निर्माण विभाग के 23 टोल बूथ हैं।

शुरुआती उतार-चढ़ाव के बाद मजबूती के साथ बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी

नई दिल्ली। जोरदार गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार वापसी करने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत भी मामूली बढ़त के साथ हुई थी। शुरुआती 1 घंटे के कारोबार में लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान होने की बाजार वजह से बाजार में तेज उतार-चढ़ाव भी होता रहा। हालांकि, पहले घंटे के बाद ज्यादातर समय खरीदार ही बाजार पर हावी बने रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.30 प्रतिशत और निफ्टी 0.39 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान मेटल, ऑयल एंड गैस और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह रियल्टी, फार्मास्यूटिकल, बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी और पीएसई इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, टेक और आईटी सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.77 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.74 प्रतिशत उछल कर आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में पौने तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 441.59 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया, जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 438.79 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.80 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,090 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,626 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,357 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 107 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,511 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,895 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 616 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 20 शेयर बढ़त के साथ और 10 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 34 शेयर हरे निशान में और 16 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 54.81 अंक की मजबूती के साथ 78,019.80 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से पहले आधे घंटे के कारोबार में ही ये सूचकांक 487.75 अंक उछल कर 78,452.74 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से अगले 1 घंटे के कारोबार में ही ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 500 अंक से ज्यादा टूट कर 39.90 अंक की कमजोरी के साथ 77,925.09 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि, पहले घंटे के कारोबार के बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से थोड़ी ही देर में ये सूचकांक रिकवरी करके हरे निशान में पहुंच कर कारोबार करने लगा।

यूक्रेन शांति प्रक्रिया में मध्यस्थ का काम करने के लिए तैयार है स्विट्जरलैंड : राष्ट्रपति

एजेंसी

कीव। स्विट्जरलैंड की नई राष्ट्रपति कैरिन केलर-सटर ने कहा कि उन्होंने यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की से कहा है कि बर्न यूक्रेन समझौता प्रक्रिया में मध्यस्थ के रूप में कार्य करने के लिए तैयार हैं।राष्ट्रपति ने एक्स पर कहा कि यूक्रेनी राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की के साथ आज फोन पर बातचीत के दौरान, मैंने उन्हें यूक्रेन के लिए स्विट्जरलैंड के चल रहे समर्थन का आश्वासन दिया, विशेष रूप से हमारी कई दीर्घकालिक मानवीय एवं पुनर्निर्माण परियोजनाओं के माध्यम से, साथ ही स्विट्जरलैंड के कार्यालयों के माध्यम से शांति प्रक्रिया में योगदान करने की हमारी इच्छा से अवगत कराया।

बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना समेत 75 अन्य का पासपोर्ट रद्द

ढाका।बंगलादेश में मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने पिछले शासन पर अपनी कार्रवाई तेज करते हुए जुलाई -अगस्त 'छात्र विद्रोह' के दौरान हत्याओं में कथित संलिप्तता के लिए पूर्व प्रधान मंत्री शेख हसीना और 75 अन्य लोगों का पासपोर्ट रद्द कर दिया है। ढाका में विदेश सेवा अकादमी में आज एक प्रेस वार्ता में मुख्य सलाहकार के उप प्रेस सचिव अबुल कलाम आज़ाद मजूमदार ने कहाः पासपोर्ट विभाग ने जबरन गायब करने में शामिल 22 लोगों के पासपोर्ट रद्द कर दिए। बीडीन्यूज24 के अनुसार, उन्होंने कहा, इसके अलावा, जुलाई में हुई हत्याओं में शामिल या आरोपी 75 लोगों के पासपोर्ट रद्द कर दिए गए हैं। पूर्व प्रधान मंत्री शेख हसीना उनमें से एक हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या भारत को हसीना के पासपोर्ट को रद्द करने के बारे में सूचित किया गया है, श्री आजाद ने कहाः भारत सरकार को भी पता है कि उसका पासपोर्ट रद्द कर दिया गया है और वे पहले ही रिपोर्ट कर चुके हैं कि उसे एक यात्रा दस्तावेज जारी किया गया है।

पुतिन ने तिब्बत में आए भूकंप के विनाश पर जिनपिंग को भेजीं संवेदनाएं

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में आए विनाशकारी भूकंप में लोगों की जान जाने पर संवेदना संदेश भेजा है। गौरतलब है कि भूकंप आज सुबह शिजांग स्वायत्त क्षेत्र के डिंगरी काउंटी में आया, जो माउंट एवरेस्ट के निकट होने के कारण पर्यटकों के बीच एक लोकप्रिय ग्रामीण क्षेत्र है। क्रेमलिन की वेबसाइट पर प्रकाशित एक पत्र में राष्ट्रपति पुतिन ने लिखा, चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में भूकंप में जान गवाने वालों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है।रूसी राष्ट्रपति ने लिखा, रूस उन लोगों का दर्द साझा करता है जिन्होंने प्राकृतिक आपदा में अपने करीबी और रिश्तेदारों को खो दिया है और आपदा में घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना करता है।

नाटो अन्तर्जलीय अवसंरचना की रक्षा के लिए बाल्टिक सागर में 10 जहाज भेजेगा: रिपोर्ट

बर्लिन। नाटो अन्तर्जलीय अवसंरचना की सुरक्षा के लिए बाल्टिक सागर में लगभग 10 जहाज भेजेगा। यह जानकारी फिनिश ब्रॉडकास्टर येल ने सूत्रों के हवाले से दी। रिपोर्ट में कहा गया कि नाटो नौसेना सप्ताह के अंत में बाल्टिक सागर में पहुंचना शुरू करेगा और अप्रैल तक वहां रहेगा। रिपोर्ट में कहा गया कि जहाज ऊर्जा और दूरसंचार केबलों के पास स्थित होंगे और एक निवारक के रूप में कार्य करेंगे। उल्लेखनीय है कि 25-26 दिसंबर के बीच अन्तर्जलीय चार दूरसंचार केबल क्षतिग्रस्त हो गए। उनमें से तीन फिनलैंड और एस्टोनिया के बीच बिछाई गई हैं और एक केबल फिनलैंड को जर्मनी से जोड़ती है।

तिब्बत भूकंप में मरने वालों की संख्या 126 हुई, तीन हजार घर ध्वस्त, 30 हजार लोग बेघर

एजेंसी

काठमांडू। सुबह तिब्बत के डिंगरी काउंटी को केंद्रबिंदु बनाते हुए आए 7.1 तीव्रता वाली भूकंप के कारण मरने वालो की संख्या 126 पहुंच गई है। तिब्बत प्रशासन के मुताबिक अब तक 188 लोगों को मलबे से जिंदा निकाला गया है। चीन की सरकारी न्यूज एजेंसी के मुताबिक तिब्बत में भूकंप के इपी सेंटर के आसपास हुए तबाही में स्थानीय समयानुसार रात के 8=30 बजे तक 126 लोगों का शव निकाला जा चुका है। रेस्क्यू के काम में जुटे अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि मलबा हटाने का काम अभी भी जारी है। इन मलबों से 188 लोगों को जीवित निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया है। रेस्क्यू अधिकारियों के मुताबिक इनमें

28 लोगों की हालत बहुत ही नाजुक होने के कारण उन्हें डिंगरी काउंटी और ल्होत्से काउंटी से सिगाज पीपुल्स हॉस्पिटल में आईसीयू में रखकर उपचार किया जा रहा है। 7.1 तीव्रता वाले भूकंप के कारण हुई तबाही को देखते हुए प्रशासन की तरफ से इसे इमरजेंसी वन लेवल की घोषणा की गई है जोकि सबसे अधिक खतरनाक स्तर पर पहुंचने के बाद होती है।

सरकारी न्यूज एजेंसी ने बताया कि अबतक बेघर हो चुके 30 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर टेंट में बने स्थाई आवास में पहुंचा दिया गया है। अब तक 3,609 घरों के पूरी तरह से ध्वस्त होने की जानकारी दी गई है। बचाव के क्रम में जितने लोगों का जीवित उद्धार किया गया है उन्हें पास के स्थानीय अस्पतालों में इलाज किया जा रहा है। तिब्बत प्रशासन के तरफ से करीब 10 हजार अस्थाई आवास की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही वहां 100 आईसीयू बेड वाला अस्थाई अस्पताल का निर्माण भी किया जा रहा है।

सऊदी अरब में बारिश का कहर, मक्का–मदीना के लिए जारी हुआ रेड अलर्ट

एजेंसी

रियाद। सऊदी अरब के जेद्दा शहर, मक्का और मदीना के अधिकांश इलाकों में हो रही झमाझम बारिश की वजह से पूरी व्यवस्था चरमरा गई है। भारी बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवाओं से लोगों को काफी दिक्कतों को सामना करना पड़ रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र ने मुख्यतः मक्का और मदीना में रेड अलर्ट जारी किया है। पर्यावरण, जल और कृषि मंत्रालय के अनुसार बदर प्रांत के अल-शफ़ियाह और जेद्दा के अल-बसातीन में अगले कुछ दिन और बारिश की संभावना जताई है। वहीं, राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (एनसीएम) ने मक्का-मदीना के लिए रेड अलर्ट जारी करने के बाद अधिकारियों ने लोगों से प्रशासनिक चेतावनियों और सलाह का कड़ाई से पालन करने को कहा है। मौसम केंद्र के वक्ता हुसैन अल-कहतानी ने कहा कि जेद्दा प्रांत में मध्यम से भारी बारिश जारी रहने की संभावना है। उन्होंने कहा कि मौसम के बिगड़ते हालात के बीच जब आम जनता प्रशासन का साथ देगी तभी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना आसान हो सकेगा।

नेपाल में भूकंप के बाद चीनी क्षेत्र से माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई पर रोक लगाई गई

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल-चीन सीमा पर शिगात्से क्षेत्र में आए शक्तिशाली भूकंप के झटके के बाद दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर चीनी क्षेत्र से चढ़ाई पर चीन प्रशासन की तरफ से रोक लगा दी गई है। माउंट एवरेस्ट को चीन में माउंट कोमोलांगमा के नाम से जाना जाता है।चीन की सरकारी मीडिया समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक मंगलवार सुबह ज़िज़ांग (तिब्बत) स्वायत्त क्षेत्र में डिंगरी काउंटी में 7.1 तीव्रता के भूकंप के बाद पर्यटकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए माउंट एवरेस्ट पर चीनी क्षेत्र से चढ़ाई पर अगली सूचना तक रोक लगाने का आदेश दिया गया है। तिब्बत के डिंगरी काउंटी में माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई के लिए चीन की तरफ से आधार शिविर है। चीन की सरकारी मीडिया ने क्षेत्रीय आपदा

राहत मुख्यालय के हवाले से अब तक 53 लोगों के मारे जाने और 62 घायल होने की पुष्टि की है।चीन-नेपाल सीमा पर स्थित माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई 8,840 मीटर है और इसका उत्तरी खंड तिब्बत के शिगात्से क्षेत्र के डिंगरी काउंटी में स्थित है। आज सुबह जब भूकंप का तेज झटका आया तो उस समय इस क्षेत्र के मौसम का तापमान शून्य से 18 डिग्री सेल्सियस तक था। डिंगरी काउंटी ब्यूरो ऑफ कल्चर एंड टूरिज्म विभाग के अनुसार इस समय इस आधार शिविर में मुख्य रूप से सिंगापुर, मलेशिया, जर्मनी और फ्रांस जैसे देशों के पर्यटक मौजूद हैं और सभी के सुरक्षित होने की जानकारी दी गई है।

नेपाल भूकंप अपडेट : स्कूल में पढ़ाई कर रहे 11 छात्र बेहोश, काठमांडू में एक व्यक्ति ने छत से छलांग लगाई

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल-चीन की सीमा पार आए 7.1 मैग्नीट्यूड भूकंप के दौरान काठमांडू में एक व्यक्ति ने जान बचाने के लिए छत से छलांग लगा दी। इसके अलावा एक स्कूल के क्लासरूम में पढ़ाई कर रहे कई छात्र डर से बेहोश हो गए। हालांकि, सभी को सामान्य उपचार के बाद सभी को घर भेज दिया गया।

गृह मंत्रालय की तरफ से भूकंप को लेकर दिए गए अपडेट के मुताबिक काठमांडू के स्युचाटार इलाके में भूकंप आने के बाद अपनी जान बचाने के लिए स्युचाटार निवासी 20 वर्षीय युवक ऋषिकेश थापा ने अपने मकान के छत से नीचे छलांग लगा दी जिसके कारण वह मामूली रूप से घायल हो गया। इसी तरह बारा जिले के कलैया में रहे त्रिचन्द्र माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत 11 विद्यार्थी डर से बेहोश हो गए। हालांकि, सभी को सामान्य उपचार के बाद सभी को घर भेज दिया गया। इस विद्यालय के

शिक्षक ने बताया कि सुबह के समय विद्यालय में पढ़ाई चल रही थी, जब अचानक ही सब कुछ जोर जोर से हिलने लगा। छात्रों में भूकंप आने की खबर फैलने के बाद क्लास रूम से बाहर निकलने के लिए भगदड़ मच गई। इसी दौरान कुछ छात्रों के बेहोश होने की खबर मिली। शिक्षक ने बताया कि बेहोश होने वालों में अधिकांश छात्राएं हैं, जो डर के कारण अचेत हो गई थी।

दक्षिण कोरिया : राष्ट्रपति यून सुक की हिरासत के लिए कोर्ट ने जारी किया नया वारंट

एजेंसी

सियोल। महाभियोग झेल रहे दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल की हिरासत के लिए कोर्ट से नया वारंट जारी किया गया है। हालांकि भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसी ने वारंट की अवधि को लेकर कोई जानकारी नहीं दी है। आमतौर पर वारंट की समयसीमा 10 दिनों की होती है। कोर्ट की तरफ से मिले इस नये वारंट के जरिए भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसी राष्ट्रपति यून को हिरासत में लेने की प्रकिया में लगी है। जांच एजेंसी ने पिछले सप्ताह भी यून को हिरासत में लेने की कोशिश की थी, हालांकि तब राष्ट्रपति सुरक्षा सेवा ने उसके प्रयास को विफल कर दिया था। इस मामले में पूछताछ के लिए जांच अधिकारियों के समक्ष पेश नहीं होने पर 'सियोल वेस्टर्न डिस्ट्रिक्ट कोर्ट' ने यून को हिरासत में लेने का वारंट 31 दिसंबर को जारी किया था। फिलहाल यून अपने आधिकारिक आवास में हैं तो उन्हें हिरासत में लिया जाना काफी जटिल है।

बतादें कि संसद द्वारा पिछले साल 14 दिसंबर को राष्ट्रपति पर महाभियोग चलाने के लिए मतदान करने के बाद यून की राष्ट्रपति पद की शक्तियों को निलंबित कर दिया गया था।

संवैधानिक न्यायालय ने इस बात पर विचार-विमर्श शुरू कर दिया है कि यून को औपचारिक रूप से पद से हटाया जाए या उन्हें बहाल किया जाए। अगर जांचकर्ता यून को हिरासत में लेने में कामयाब हो जाते हैं, तो वे औपचारिक गिरफ्तारी करने की अनुमति के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे अन्यथा उन्हें (यून को) 48 घंटे बाद रिहा कर दिया जाएगा।

ट्रंप ने कनाडा को 51वां राज्य बनाने के लिए 'आर्थिक ताकत' का इस्तेमाल करने की धमकी दी

एजेंसी

फ्लोरिडा । अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका को मिलाने के लिए 'इकोनॉमिक फोर्स' यानि आर्थिक ताकत का इस्तेमाल करने की बात कही। ट्रंप कनाडा को अक्सर '51वां राज्य' कहते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सुझाव के समर्थन में अमेरिका द्वारा प्रदान की गई सैन्य सहायता और दोनों देशों के बीच व्यापार घाटे जैसे कारणों का हवाला दिया। ट्रंप ने फ्लोरिडा में मार-ए-लागो निवास पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने कहा था कि आप उस कृत्रिम रूप से खींची गई रेखा से छुटकारा पा लें, और देखें कि वह कैसी दिखती है, और यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी बेहतर होगा।' फ्लोरिडा के अपने मार-ए-लागो आवास पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रंप ने कहा था, 'आप उस कृत्रिम (बनावटी) रूप

से खींची गई सीमा को हटा दें और देखें कि वह कैसा दिखेगा। यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी बहुत बेहतर होगा। उन्होंने कहा, कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच यह वास्तव में एक बड़ी बात होगी। हम अच्छे पड़ोसी रहे हैं, लेकिन हम हमेशा ऐसा नहीं कर सकते।' ट्रंप ने कहा, 'मत भूलिए, हम मूल रूप से कनाडा की रक्षा करते हैं। लेकिन कनाडा के साथ यही समस्या है। वहां हमारे बहुत सारे दोस्त हैं; मैं कनाडा के लोगों से प्यार करता हूं। वे महान हैं, लेकिन हम उनकी रक्षा के लिए हर साल सैकड़ों अरबों खर्च कर रहे हैं। हम कनाडा की देखभाल के लिए हर साल सैकड़ों अरबों खर्च कर रहे हैं। हम व्यापार घाटे में हार रहे हैं। ट्रंप ने कनाडा और मैक्सिको दोनों देशों से आने वाले सामानों पर 'पर्याप्त' टैरिफ लगाने की अपनी योजना दोहराई। उन्होंने कहा, 'कनाडा को हर साल करीब 200 बिलियन डॉलर की सब्सिडी दी जाती है, साथ ही अन्य चीजें भी दी जाती हैं। उनके पास अनिवार्य रूप से कोई सेना नहीं है। उनके पास बहुत छोटी सेना है। वे हमारी सेना पर निर्भर हैं। यह सब ठीक है, लेकिन आप जानते हैं कि उन्हें इसके लिए भुगतान करना होगा। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कनाडा को अमेरिका का हिस्सा बताते हुए एक एडिट तस्वीर शेयर की, जिसका टाइटल था, ओह कनाडा।

आस्ट्रेलिया में डूबने से बचाने को लेकर सुरक्षा चेतावनी जारी

एजेंसी

सिडनी। आस्ट्रेलिया के बचावकर्मियों ने गर्मियों की शुरुआत में देश भर में डूबने की घटनाओं में वृद्धि को लेकर सुरक्षा चेतावनी जारी की है। ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष जल सुरक्षा, तैराकी एवं बचावकर्मी शिक्षा संगठन रॉयल लाइफ सेविंग सोसाइटी (आरएलएसएस) के आंकड़ों के अनुसार, एक दिसंबर को गर्मियों की शुरुआत से देश में 44 लोग डूब चुके हैं। यह 2023-24 में इसी अवधि में डूबने से हुई 44 मौतों के बराबर है और डूबने से हुई 41 मौतों की अवधि के लिए पांच साल के औसत से थोड़ा ऊपर है। डूबने से हुई 44 मौतों में से 13-25 दिसंबर को क्रिसमस डे और एक जनवरी को नए साल के दिन के बीच की अवधि में हुईं। आरएलएसएस में डूबने की

रोकथाम रणनीति के राष्ट्रीय प्रबंधक विलियम कून ने कहा कि वित्तीय बाधाओं और स्थानीय स्विमिंग पूल की कम उपलब्धता और पहुंच के कारण ऑस्ट्रेलिया में तैराकी कौशल में कमी आई है।

उन्होंने न्यूज कोर ऑस्ट्रेलिया के अखबारों को बताया कि ऑस्ट्रेलियाई बच्चों को पानी में जीवित रहने के लिए जरूरी कौशल देने के लिए एक नई राष्ट्रीय रणनीति की जरूरत है।

विक्टोरिया राज्य में आरएलएसएस शाखा के कमांडर केन ट्रेलोर ने गर्मियों के बाकी दिनों में तैराकी करने की योजना बनाने वाले सभी लोगों से आग्रह किया कि वे तट पर तैनात बचावकर्मियों की देखरेख में ही तैराकी करें और एक-दूसरे का ख्याल रखें।

आरएलएसएस के अनुसार, एक दिसंबर से अब तक पांच डूबने वाले पीड़ित 18 वर्ष से कम उम्र के थे। दुर्घटनाओं में से 12 ऑस्ट्रेलिया के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य न्यू साउथ वेल्स में और 11 क्वींसलैंड में हुईं।

शपथ लेने से पहले हमास को ट्रम्प की सीधी चेतावनी- बंधकों को नहीं छोड़ा तो मिडिल ईस्ट बर्बाद हो जाएगा

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर हमास को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उनके शपथ ग्रहण से पहले बंधक बनाए गए लोगों को रिहा नहीं किया तो मिडल ईस्ट में सबकुछ बर्बाद हो जाएगा। ट्रम्प 20 जनवरी को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने जा रहे हैं। नव निर्वाचित राष्ट्रपति ट्रम्प फ्लोरिडा के मार-ए-लागो में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अमेरिकी बंधकों की रिहाई को लेकर हमास के साथ चल रही बातचीत संबंधी सवाल का जवाब दे रहे थे।हमास की तरफ से बंधक बनाए गए लोगों की रिहाई को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए ट्रम्प ने साफ लहजे में कहा कि 20 जनवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में उनके शपथ ग्रहण से पहले अगर बंधकों को रिहा नहीं किया गया तो यह हमास या किसी के लिए अच्छा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि ÷अगर मेरे पदभार ग्रहण करने तक

इजराइली बंधक वापस नहीं आए, तो मध्य पूर्व में सबकुछ बिगड़ जाएगा। उन्होंने कहा कि उन्हें बहुत पहले बंधकों को रिहा कर देना चाहिए था। लोगों को बंधक कभी बनाना ही नहीं चाहिए था। 7 अक्टूबर 2023 में दक्षिणी इजरायल पर हमास आतंकियों के हमले के बाद इजरायल का अनुमान है कि लगभग सौ लोगों को हमास ने अभी भी बंधक बना रखा है जिनकी रिहाई के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रयास चल रहे हैं।

वेनेजुएला में 2 अमेरिकी, 3 यूक्रेन सहित सात विदेशी भाड़े के सैनिकों को हिरासत में लिया गयाः मादुरो

एजेंसी

कराकस। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने बुधवार को कहा कि सात विदेशी भाड़े के सैनिकों को हिरासत में लिया गया है, जिनमें दो अमेरिका और तीन यूक्रेन से आए लोग शामिल हैं। मादुरो ने वेनेजुएला पुलिस के साथ एक बैठक के दौरान कहा कि केवल आज हमने सात विदेशी भाड़े के सैनिकों को हिरासत में लिया, जिनमें अमेरिका के दो महत्वपूर्ण भाड़े के सैनिक शामिल हैं, कोलंबिया के दो हत्यारों को देश के विभिन्न हिस्सों में गिरफ्तार किया गया है और तीन भाड़े के सैनिक जो यूक्रेन से देश में हिंसा फैलाने के लिए आए थे। वे आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देने के लिए आते हैं उन्होंने यह भी कहा कि हिरासत में लिए गए सभी लोग हाई प्रोफाइल हैं और पहले कभी वेनेजुएला में पकड़े नहीं गए हैं और आशा व्यक्त किया कि वे आने वाले घंटों में अपना अपराध स्वीकार कर लेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि केवल नवंबर से दिसंबर तक, वेनेजुएला के अधिकारियों ने 25 देशों के 125 विदेशी भाड़े के सैनिकों को हिरासत में लिया है।

युगांडा में एमपॉक्स से मरने वालों की संख्या हुई 10 : स्वास्थ्य मंत्रालय

एजेंसी

कंपाला । पूर्वी अफ्रीकी देश युगांडा में पिछले पांच दिनों में चार लोगों की मौत रिपोर्ट हुई। इसके बाद एमपॉक्स से मरने वालों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है।

एक रिपोर्ट में युगांडा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि पिछले पांच दिनों में कम से कम 156 नए संक्रमण के मामले दर्ज किए गए। जिससे देश में संक्रमण से जूझ रहे लोगों की कुल संख्या 1,571 हो गई। एजेंसी ने मंत्रालय के हवाले से कहा कि पिछले 24 घंटों में 19 नए संक्रमण के मामले दर्ज किए गए, जिनमें से 17 मामले वाकिसो के केंद्रीय जिले में, एक युगांडा की राजधानी कंपाला में और एक लीरा में दर्ज किए गए। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और साझेदारों के सहयोग से मंत्रालय ने रोग के प्रसार को रोकने के लिए रोकथाम उपायों को तेज कर दिया है, जिसमें निगरानी, ??मामला प्रबंधन, स्वास्थ्य बैठकें आयोजित करना, जोखिम संचार और सामुदायिक सहभागिता तथा जन जागरूकता अभियान शामिल हैं।

एमपॉक्स एक बीमारी है जो मंकीपॉक्स वायरस के कारण होती है। यह एक वायरल संक्रमण है जो मुख्य रूप से निकट संपर्क के माध्यम से लोगों के बीच फैल सकता है। एमपॉक्स के सामान्य लक्षणों में दाने, बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, पीठ दर्द, कम ऊर्जा और ग्रंथियों में सूजन शामिल हैं। पिछले महीने विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा था कि

अफ्रीका में एमपॉक्स की महामारी संबंधी स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक बनी हुई है, तथा कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी), बुरुंडी और युगांडा में इसके मामले अधिक संख्या में देखे गए हैं। डब्ल्यूएचओ की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार 15 दिसंबर तक अफ्रीका में 20 देशों में 13,769 पुष्ट मामले सामने आए हैं, जिनमें 60 मौतें शामिल हैं। सबसे अधिक प्रभावित देश डीआरसी है, जहां 9,513 पुष्ट मामले पाए गए हैं। हालांकि डीआरसी में हाल के सप्ताहों में अपेक्षाकृत स्थिर महामारी की प्रवृत्ति देखी गई है, फिर भी डब्ल्यूएचओ ने चेतावनी दी है कि संभावित रिपोर्टिंग देरी को देखते हुए स्थिरता और गिरावट की प्रवृत्ति की सावधानीपूर्वक व्याख्या की जानी चाहिए। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि डीआरसी के बाहर क्लेड 1बी एमपॉक्स वायरस (एमपीएक्सवी) के भौगोलिक विस्तार की रिपोर्ट जारी है, साथ ही कहा कि अफ्रीका के बाहर आठ देशों में इस वायरस का पता चला है।

सूरजमुखी के बीज की खेती की जानकारी

सी एम शर्मा, भूपिंदर

सूरजमुखी का नाम हैलीएन्थस है जो दो शब्दों से बना हुआ है। हैलीअस मतलब सूरज और एन्थस मतलब फूल। इसके फूल, सूरज की दिशा होने में मुड़ जाने के कारण इसे सूरजमुखी कहा जाता है। यह देश की महत्तवपूर्ण तिलहनी फसल है। इसका तेल हल्के रंग, अच्छे स्वाद और इसमें उच्च मात्रा में लिनोलिक एसिड होता है, जो कि दिल के मरीज़ों के लिए अच्छा होता है। सूरजमुखी के बीज में खाने योग्य तेल की मात्रा 48 से 53 प्रतिशत होती है।

आजकल जलवायु परिवर्तन के साथ - साथ कृषि में विविधीकरण पर ज़ोर-शोर से चर्चा का बाज़ार गर्म है तो जम्मू के गर्म - मैदानी क्षेत्रों में भी विविधीकरण की ओर कदम बढ़ाने की आवश्यकता है। इससे जलवायु के अनुकूल हमारे फसलचक्र में नई लाभदायक फसल का आगमन भी भी हो सकता है और कृषि में भीड़चाल से मुक्त मुलयसंवर्धक खेती का सूत्रपात भी हो सकता है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमारे कृषि विभाग एवं शोध संस्थाओं तथा विश्वविद्यालयों को उत्तम बीज प्राप्त करने में सक्षम सूरजमुखी की खेती पर ध्यान देना चाहिए।

यहां किसान भाइयों के लिए, सूरजमुखी की खेती की जानकारी जलवायु, किस्में, रोकथाम व पैदावार आदि, पर जानकारी प्रदान की जाएगी, जिसका पीछा कर के किसान इस फसल की अच्छी पैदावार प्राप्त कर सकते है।

सूरजमुखी की खेती के लिए उपयुक्त जलवायु और भूमि

उपयुक्त जलवायु- सूरजमुखी की खेती खरीफ, रबी, जायद तीनो मौसम में की जा सकती है। फसल पकते समय शुष्क जलवायु की अति आवश्यकता पड़ती है। परन्तु खरीफ में सूरजमुखी पर अनेक रोग कीटों का प्रकोप होता है, फूल छोटे होते है, तथा उनमें दाना भी कम पड़ता है। जायद में सूरजमुखी की खेती से अच्छी उपज प्राप्त की जा सकती है।

उधर पंजाब के किसान सूरजमुखी की खेती से पीछे मुड़े हैं। किसानों का सूरजमुखी से विमुख होने के पीछे मुख्य कारण मार्केट से मिलने वाला मिलावटी बीज है। करीब 8-10 पूर्वी जिले में बड़े पैमाने पर सूरजमुखी का उत्पादन किया जाता था। इसके बीज के लिए हाइब्रिड का प्रयोग किया जाता है जो थैलियों में आता है। उस समय कुछ दुकानदारों और किसानों ने साधारण बीज को थैलियों में बंद कर किसानों को बेचकर किसानों को मोटी चपत लगाई थी। सूरजमुखी की ज़ायद फसल अधिकतर शीतकालिक आलू की फसल के बाद ली जाती है। इसलिए ऐसे में सम्बंधित किसानों को चाहिए कि वे कम समय में मुनाफा देने वाली बीज के लिए सूरजमुखी की फसल को अपनाएं। यदि जम्मू के कुछ प्रगतिशील किसान शुद्ध बीज उत्पादन करके वितरण की पहल करें तो दोनों को लाभ होगा।

जम्मू का कृषि योग्य क्षेत्र फल कम है। इसलिए तेल प्राप्ति के लिए फसल उगाना ज़्यादा लाभदायक नहीं रहेगा परन्तु यहां परागण की समस्या न होने के कारण बीज उत्पादन लाभकारी हो सकता है। बीज फलने के समय पक्षी हानि पहुंचा सकते हैं जिसका विशेष ध्यान रखना आवश्यक रहेगा। जहाँ मौसम गेहूं की बोआई के अनुकूल नहीं रहा वहां ऐसे प्रयोग अवश्य किये जा सकते हैं।

उपयुक्त भूमि- सूरजमुखी की खेती सभी प्रकार की भूमि में की जा सकती है। परन्तु अधिक जल रोकने वाली भारी भूमि उपयुक्त है। निश्चित सिचाई वाली सभी प्रकार की भूमि में अम्लीय व क्षारीय भूमि को छोडकर इसकी खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है। हालाँकि दोमट भूमि सर्वोतम मानी जाती है।

फसली चक्र- धान/मक्की - मक्की - आलू- सूरजमुखी, धान-तोरीया, सूरजमुखी, कमाद-सूरजमुखी, खरीफ का चारा-तोरिया- सूरजमुखी।

खेत की तैयारी- खेत में पर्याप्त नमी न होने की दशा में पलेवा लंगाकर जुताई करनी चाहियें। एक जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से तथा देशी हल से 2 से 3 बार जोतकर मिट्टी भुरभुरी बना लेनी चाहिए। रोटावेटर से खेत की तैयारी जल्दी हो जाती है।

उन्नत किस्में

सूरजमुखी की खेती के लिए किस्में, बीज की मात्रा और बुवाई

मार्डन- पौधे की ऊंचाई लगभग 90 से 100 सेंटीमीटर तक होती है। बहु फसली क्षेत्रों के लिये उपयुक्त ।तेल की मात्रा 38 से 40 प्रतिशत होती है। उपज 6 से 8 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है, और अवधि 80 से 90 दिन है।

ज्वालामुखी- तेल की मात्रा 42 से 44 प्रतिशत होती है। पौधे की ऊंचाई 160 से 1।0 सेंटीमीटर होती है। उपज 30 से 35 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। अवधि 85 से 90 दिन है।

बी.एस.एच 1- इस किस्म में तेल की मात्रा 41 प्रतिशत होती है, किट्ट प्रतिरोधक, पौधे की ऊंचाई 130 से 150 सेंटीमीटर रहती है। उपज 10 से 15 क्विंटल है और अवधि 90 से 95 दिन है।

एम.एस.एफ.एस 8- इस किस्म में तेल की मात्रा 42 से 44 प्रतिशत होती है। पौधे की ऊंचाई 1।0 से 200 सेंटीमीटर होती है। उपज 15 से 18 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है, और अवधि 90 से 100 दिन है।

क्वएस.एच - 569 पौधे का कद 141 सै.मी. है। फसल 98 दिनों में पक जाती है। यह किस्म पिछेती बिजाई के लिए अनुकूल है। इसकी औसत पैदावार ।.44 क्विंटल प्रति एकड़ है और 36.3 प्रतिशत तेल होता है।

एम.एस.एच- तेल की मात्रा 42 से 44 प्रतिशत होती है। पौधे की ऊंचाई 1।0 से 200 सेंटीमीटर होती है। उपज 15 से 18 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। अवधि 90 से 100 दिन है।

एम.एस.एफ.एच 4- तेल की मात्रा 42 से 44 प्रतिशत होती है। पौधे की ऊंचाई 120 से 150 सेंटीमीटर होती है। रबी एवं जायद के लिए उपयुक्त हैं। उपज 20 से 30 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है और अवधि 90 से 95 दिन है।

एस.एच.एफ.एच 1- तेल की मात्रा 40 से 42 प्रतिशत होती है। पौधे की ऊंचाई 120 से 150 सेंटीमीटर होती है। उपज 15 से 20 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। अवधि 90 से 95 दिन है।

सूर्या- पौधे की ऊंचाई लगभग 130 से 135 सेंटीमीटर तक होती है। पिछैती बुवाई के लिये उपयुक्त। तेल की मात्रा 38 से 40 प्रतिशत होती है। उपज 8 से 10 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है और अवधि 90 से 100 दिन है।

ई.सी. 68415- पौधे की ऊंचाई लगभग 180 से 200 सेंटीमीटर तक होती है। पिछैती बुवाई के लिये उपयुक्त। तेल की मात्रा 42 से 46 प्रतिशत होती है। उपज 8 से 10 क्विंटल है और अवधि 110 से 115 दिन है।

संकर किस्में

के.वी. एस.एच 1- पौधे की ऊंचाई लगभग 150 से 180 सेंटीमीटर तक होती है। पिछैती बुवाई के लिये उपयुक्त। तेल की मात्रा 43 से 45 प्रतिशत होती है। उपज 30 से 32 क्विंटल है और अवधि 90 से 95 दिन है।

एस.एच 3322- पौधे की ऊंचाई लगभग 13। से 1।5 सेंटीमीटर तक होती है। पिछैती बुवाई के लिये उपयुक्त। तेल की मात्रा 40 से 42 प्रतिशत होती है। उपज 28 से 30 क्विंटल है और अवधि 90 से 95 दिन है।

एम एस एफ एच 1।- पौधे की ऊंचाई लगभग 140 से 150 सेंटीमीटर तक होती है। पिछैती बुवाई के लिये उपयुक्त। तेल की मात्रा 35 से 40 प्रतिशत होती है। उपज 2। से 29 क्विंटल है और अवधि 90 से 95 दिन है।

क्वएस.एच - 996 यह दरमियानी ऊंची 141 सै.मी. दोगली किस्म है। फसल 96 दिनों में पक जाती है। इसकी औसत पैदावार ।.8 क्विंटल प्रति एकड़ है। इसके बीज में 35.8 प्रतिशत तेल होता है। यह किस्म पिछेती बिजाई के लिए अनुकूल है।

वी एस एफ 1- पौधे की ऊंचाई लगभग 140 से 150 सेंटीमीटर तक होती है। पिछैती बुवाई के लिये उपयुक्त। तेल की मात्रा 35 से 40 प्रतिशत होती है। उपज 2। से 29 क्विंटल है और अवधि 90 से 95 दिन है।

पंजाब कृषि यूनिवर्सिटी की तरफ से पंजाब के किसानों के लिए साल 2016 पीएसऐच-1962 सूरजमुखी की नई किस्म जारी की गई है जिस का झाड़ 8.2 कुविंटल प्रति एकड़ है।

बुवाई का समय- जायद में सूरजमुखी की बुवाई का उपयुक्त समय फरवरी का दूसरा पखवारा है। जिससे फसल मई के अन्त या जून के प्रथम सप्ताह तक पक जायें। बुवाई में देर करने से वर्षा शुरू हो जाने के बाद पैदावार में नुकसान पहुंचता है।

बीज की मात्रा- बीज की मात्रा अलग अलग पड़ती है, जैसे की सामान्य प्रजातियो में 12 से 15 किलो ग्राम प्रति हैक्टर बीज लगता है, और संकर प्रजातियो में 5 से 6 किलो ग्राम प्रति हैक्टर बीज लगता है। यदि बीज की जमाव गुणवता ।0 या ।5 प्रतिशत से कम हो तो बीज की मात्रा बढ़ाकर बुवाई करना चाहिए।

बीजोपचार- बीज को बुवाई से पहले 3 ग्राम थीरम या बाविस्टीन प्रति किलो ग्राम बीज को शोधित करना चाहिए। बीज को बुवाई से पहले रात में 12 घंटा भिगोकर सुबह 3 से 4 घंटा छाया में सुखाकर दोपहर के बाद बुवाई करनी चाहिए।

सूरजमुखी की खेती के लिए उर्वरक और सिंचाई

बुवाई की विधि- बुवाई लाइनों में हल के पीछे 4 से 5 सेंटीमीटर गहराई पर करनी चाहिए। लाइन से लाइन की दूरी 45 सेंटी मीटर तथा पौध से पौध की दूरी 15 से 20 सेंटीमीटर रखनी उपयुक्त है।

खाद या उर्वरक- उर्वरको का प्रयोग मृदा परिक्षण के आधार पर ही करना चाहिए फिर भी सूरजमुखी की खेती के लिए आखिरी जुताई में खेत तैयार करते समय 250 से 300 कुंतल सड़ी गोबर की खाद या कम्पोस्ट खाद लाभदायक है। नत्रजन 80 किलोग्राम, 60 किलोग्राम फास्फोरस एवम पोटाश 40 किलो ग्राम तत्व के रूप में प्रति हेक्टेयर पर्याप्त होता है। नत्रजन की आधी मात्रा एवम फास्फोरस व् पोटाश की पूरी मात्रा बुवाई के समय कुडों में डालनी चाहिए इसका विशेष ध्यान देना चाहिए शेष नत्रजन की मात्रा बुवाई के 25 या 30 दिन बाद देनी चाहिए।

सिंचाई- सूरजमुखी की खेती के लिए हल्की भूमि में जायद मे सूरजमुखी की अच्छी फसल के लिए 4 से 5 सिचांईयो की आवश्यकता पडती है। तथा भारी भूमि में 3 से 4 सिंचाइयां की आवश्यकता होती है। पहली सिंचाई बोने के 20 से 25 दिन बाद आवश्यक है। फूल निकलते समय तथा दाना भरते समय भूमि में पर्याप्त नमी होनी चाहिए। इस अवस्था में सिंचाई बहुत सावधानी पूर्वक करनी चाहिए ताकि पौधे न गिरने पायें। सामान्यत: 10 से 15 दिनों के अन्तर पर सिंचाई की आवश्यकता होती है।

सूरजमुखी की खेती के लिए कीट तथा खरपतवार रोकथाम

खरपतवार रोकथाम- सूरजमुखी की खेती में 2 से 3 निराई गुड़ाई आवश्यक है, जो जल्दी जल्दी करनी चाहिए और साथ में पौधों की संख्या और दुरी भी सुनिश्चित करें और पौधों को मिट्टी चढाएं। रासायनिक खरपतवार नियंत्रण हेतु पेन्डिमैथेलिन 30 इसी की 3.3 लीटर मात्रा प्रति हेक्टर के हिसाब से 800 से 1000 लीटर पानी में घोल बनाकर बुवाई के बाद 1 से 2 दिन के अन्दर छिड़काव करना चाहिए।

रोग रोकथाम- सूरजमुखी की खेती में काले धब्बे का रोग, फूल गलन, जड़ तथा तना गलन और झुलसा रोग मुख्य रूप से लगते है। इनकी रोकथाम के लिए एम- 45 या कापर ऑक्सिक्लोराइड 1.5 से 2 लिटर को 800 से 900 लिटर पानी में घोल बनाकर 15-15 दिन के अन्तराल पर दो छिडकाव करे, और बीज को अच्छे से उपचारित कर के बुवाई करें।

किट रोकथाम- सूरजमुखी की खेती में कई प्रकार के कीट लगते है, जैसे की दीमक हरे फुदके डसकी बग आदि है। इनके नियंत्रण के लिए कई प्रकार के रसायनो का भी प्रयोग किया जा सकता है। मिथाइल ओडिमेंटान 1 लीटर 25 ईसी या फेन्बलारेट ।50 मिली लीटर प्रति हैक्टर 900 से 1000 लीटर पानी में घोलकर छिडकाव करना चाहिए।

सूरजमुखी की फसल की कटाई और पैदावार

कटाई- जब सूरजमुखी के बीज कड़े हो जाए तो फूलो के कटाई करके एकत्र कर लेना चाहिए, तथा इनको छाया में सुख लेना चाहिए।

इनको ढेर बनाकर नहीं रखना चाहिए, इसके बाद डंडे से पिटाई करके बीज निकल लेना चाहिए साथ ही सूरजमुखी थ्रेशर का प्रयोग करना उपयुक्त होता है।

उपज- सामान्य किस्मों की पैदावार 15 से 20 क्विंटल प्रति हैक्टर होती है तथा संकर प्रजातियों की पैदावार 23 से 30 क्विंटल प्रति हैक्टर प्राप्त होती है।

मिट्टी में सुधार कैसे करें

सभी माली को कभी-कभी जमीन के एक टुकड़े की मिट्टी में सुधार की चुनौती का सामना करना पड़ता है। खेती के लिए सभी मिट्टी में अच्छी स्थिति नहीं है। हालांकि, मिट्टी में सुधार कृषि श्रमिकों के लिए एक आम काम है (चाहे एक छोटी परियोजना में लगे हों या बड़े हिस्से में)। मिट्टी को प्रभावी ढंग से सुधारने के लिए विशिष्ट कौशल और रणनीतियों को लागू करना आवश्यक है। मिट्टी में सुधार करने और भूमि के एक टुकड़े के प्रभावी उपज को बढ़ाने के लिए यहां कुछ सबसे अधिक अनुशंसित विधियां दी गई हैं।

मिट्टी पोषक तत्वों में सुधार करें

1 जांच लें कि आपके पौधों की ज़रूरत क्या है बागवानी के लिए तीन महत्वपूर्ण पोषक तत्व हैंः पत्तियों के विकास के लिए नाइट्रोजन (एन) और रोगों के खिलाफ प्रतिरोध के लिए जड़ों, फलों और बीज और पोटेशियम (के) के लिए फास्फोरस (पी), पौधों की सामान्य स्वास्थ्य पत्तियों के विकास पर ध्यान देने के लिए रोपाई को अधिक फॉस्फोरस की आवश्यकता हो सकती है और पौधों को आमतौर पर इन पोषक तत्वों की बहुत कम आवश्यकता होती है जब यह मौसम नहीं बढ़ रहा है। सर्वोत्तम परिणामों के लिए, विशिष्ट पौधों की जांच करें ताकि आप उनकी जरूरतों को पूरा कर सकें। इन्हें आम तौर पर तीन मानों के रूप में प्रस्तुत किया जाता है एनपीके, जो उस क्रम में इन पोषक तत्वों के अनुपात या कुल मात्रा को दर्शाते हैं।

2 कार्बनिक स्रोतों से उर्वरक चुनें पौधे के मामले और पशु पदार्थ (जैसे मछली का पायस या मछली हाइड्रोलाइजेट) लंबी अवधि के माइक्रोबियल विकास के लिए सर्वोत्तम प्रकार के उर्वरक प्रदान करते हैं, जो मिट्टी को पोषक तत्वों और छिद्रपूर्ण समृद्ध रखती हैं। प्रयोगशालाओं में संश्लेषित उर्वरक आम तौर पर मिट्टी में सुधार किए बिना पौधे को भोजन करते हैं और कुछ मामलों में, वे नकारात्मक प्रभाव भी पैदा कर सकते हैं।

मिट्टी के additives के साथ काम करते समय हमेशा अपने हाथों और चेहरे की रक्षा करें, क्योंकि ये कुछ बैक्टीरिया और अन्य स्वास्थ्य खतरों के होते हैं।

3 खाद या अन्य कार्बनिक पदार्थों का उपयोग करने पर विचार करें विनिर्मित उर्वरकों के बजाय, आप एक बगीचे की आपूर्ति की दुकान या खेत पर सस्ता, अप्रसारित उर्वरक पा सकते हैं। ये कुछ सामान्य विकल्प हैं पौधों को नुकसान पहुंचाने से बचने के लिए आपको खाद को कम से कम एक महीने का उपयोग करने से पहले सिकोड़ना चाहिए।

चिकन या टर्की खाद किफायती है, लेकिन बड़े क्षेत्रों में अपवाह समस्याओं का कारण हो सकता है। गाय, भेड़, बकरी और खरगोश की खाद उच्च गुणवत्ता वाले हैं और कम सख्त गंध है। फास्फोरस या नाइट्रोजन के लिए खून के भोजन के लिए हड्डी का भोजन जोड़ें।

4 अपना खुद का खाद बनाएं. नए खाद को आमतौर पर परिपक्व होने में चार से आठ महीने लगते हैं, जब तक कि आप विशेष जीवाणुओं को जोड़कर इस प्रक्रिया को गति नहीं देते। यदि आप इस प्रक्रिया के साथ जारी रखने के लिए तैयार हैं तो यह दीर्घकालिक परियोजना, मिट्टी और पोषक तत्वों की बनावट दोनों को बहुत फायदा पहुंचेगी। एक बड़े बाहरी कंटेनर को अलग रखें जो कि इसे जानवरों से बचाने के लिए हीमेटिक रूप से सील किया गया है, लेकिन छिद्रों के साथ हवा को प्रसारित करने के लिए निम्नलिखित तकनीकों के साथ इसकी देखभाल करेंः 20% भूमि, खाद या परिपक्व खाद के साथ शुरू करें - कच्चे खाद्य का 10 से 30% पौधों से निकला रहता है - और 50 से 70% सूखे पत्ते, घास कतरनों और घास के साथ। उन्हें अच्छी तरह से मिलाएं कंपोस्ट गर्म और नम रखें और चिकन अवशेषों से गैर-मांस (कच्चे) भोजन जोड़ें। एक फोर्क या फावड़ा के साथ खाद को एक हफ्ते में कम से कम एक बार या हर दो हफ्ते ऑक्सीजन पेश करने के लिए बारी बारी से फायदेमंद बैक्टीरिया के विकास को उत्तेजित करता है।